Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 133
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,12 दिसम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सपा शासन में नौकरी नहीं, सौदेबाजी चलती थी, योगी सरकार ने 8.5 लाख सरकारी
4 यह हमें ही तय करना होगा कि हम कब और क्या खाते
5 पाकिस्तानी हीरोइन को पब्लिसिटी की भूख, रणवीर की 'धुरंधर' से जोड़ा

मुख्यमंत्री योगी ने आजमगढ़ में एसआईआर के लिए जनप्रतिनिधियों को जागरूक किया

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अभियान के प्रति जनप्रतिनिधियों को जागरूक किया तथा अधिकारियों की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की। आजमगढ़ के दौरे पर आये मुख्यमंत्री ने मंडल के तीनों जिले... आजमगढ़, मऊ और बलिया के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। योगी ने बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया है कि भाजपा और सहयोगी दलों के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर मतदाताओं से सीधा संपर्क करें और जिनका नाम दर्ज नहीं है, उन्हें सूची में शामिल कराया जाए। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के बीच जाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और अपात्र का नाम सूची में दर्ज न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना एक मजबूत और समावेशी लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में शामिल हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने बताया कि बैठक का मुख्य विषय एसआईआर रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों का विस्तृत डेटाबेस सौंपते हुए मृतक और लापता मतदाताओं की संदेहास्पद संख्या पर चिंता जताई है।

वंदे मातरमको वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला, जो उसे मिलना चाहिए : नड्डा

नयी दिल्ली: राज्यसभा में बृहस्पतिवार को सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए और उन्होंने इसके लिए आजादी के बाद देश की पहली सरकार के शासक को जिम्मेदार ठहराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में हुई चर्चा के अंत में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि पिछले दो दिन में 80 से अधिक सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया, जो बताता है कि यह विषय कितना सम-सामायिक है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देश की आत्मा को जगाने का मंत्र है। उन्होंने कहा कि यह गीत आजादी के आंदोलन के दौरान बहुत सी घटनाओं का गवाह रहा है। उन्होंने कहा कि यह गीत मां भारती की आराधाना है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासक जब देश में अपना

राष्ट्र गीत थोपना चाहते थे, उस समय बंकिम चंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् गीत लिखकर पूरे भारत को जागृत कर दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह गीत रूपी मंत्र इतना कारगर साबित हुआ कि ब्रिटिश शासकों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और जो कोई इसे गाता था उसे जेल के सीखचों के पीछे भेज दिया जाता था। उन्होंने कहा कि वी डी सावरकर को जिन आरोपों में दो उम्रकैद की सजा पर काला पानी भेजा गया, उनमें वंदे मातरम् के नारे लगाना शामिल था। उन्होंने कहा कि महर्षि अरविन्द को भी वंदे मातरम् के कारण जेल जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जब खुदीराम बोस फांसी के फंदे पर चढ़े तो उनके मुख पर अंतिम शब्द वंदे मातरम् ही थे। नड्डा ने कांग्रेस के जयराम रमेश द्वारा चर्चा में भाग लेते समय लगाये गये इस आरोप का जिक्र किया कि इस चर्चा का एक ही मकसद है, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना। सदन के नेता ने कहा, ह्यह्यहमारा उद्देश्य भारत के पूर्व प्रधानमंत्री को बदनाम करना नहीं, पर हमारा मकसद भारत के इतिहास के तथ्यों को सही प्रकार से रखने का है। उन्होंने याद दिलाया कि जब भी कोई घटना होती है तो जिम्मेदार सरदार ही होता है।

सार संक्षेप

गिरावट से उबरे शेयर बाजार, 427 अंक उछला सेंसेक्स, निवेशकों का विश्वास मजबूत

मुंबई : रिजर्व बैंक द्वारा 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदने से गुरुवार घरेलू शेयर बाजारों में उत्साह देखा गया और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 426.86 अंक (0.51) प्रतिशत की उछलकर 84,818.13 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 140.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त में 25,898.55 अंक पर बंद हुआ। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजारों में रौनक लौटी है। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने के उपायों के तहत आज 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की। दूसरे चरण में 18 दिसंबर को इतने ही मूल्य की और सरकारी प्रतिभूतियां खरीदने की उसकी योजना है। इससे निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है।

डॉलर के मुकाबले रुपया धड़ाम! 90.37 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई : अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को तेज गिरावट का शिकार हुआ और 43 पैसे लुढ़ककर 90.37 के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। भारत,अमेरिका व्यापार समझौते के मार्च 2026 तक टलने की खबरों के बाद कारोबार के दौरान रुपए पर दबाव और बढ़ा, जिसके चलते यह इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में एक समय 54 पैसे टूटकर 90.48 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक जा पहुंचा। करेंसी ट्रेडर्स के अनुसार, व्यापार समझौता आगे खिसकने की संभावना ने निवेशकों के बीच रिस्क-ऑफ सेंटिमेंट बढ़ाया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के बयान के बाद बाजार में यह धारणा मजबूत हुई कि सौदा अब मार्च 2026 तक ही पूरा हो पाएगा। इसके साथ ही आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ी मांग, मैक्सिको द्वारा भारत और एशियाई देशों पर 50ः तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा, तथा ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव ने भी रुपये पर दबाव डाला। रुपये ने आज 89.95 पर शुरूआत की थी लेकिन जल्दी ही कमजोर होकर 90.48 के स्तर तक फिसल गया। पिछला बंद भाव 89.87 प्रति डॉलर था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी हेड और ईडी अनिल कुमार भंसाली के मुताबिक, सीईए की टिप्पणी के बाद रुपये में तेज गिरावट आई।

रामगोपाल के हत्यारों को सुनाई गई सजा, सरफराज को फांसी

बहराइचः यूपी के बहराइच में रामगोपाल हत्याकांड मामले में दोषियों को सजा सुना दी गई है। मुख्य दोषी सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है। जबकि,आठ दोषियों को आजीवन करावास की सजा सुनाई गई। एक अन्य दोषी सैफ अली को आठ वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक-एक लाख का जुमार्ना लगाया गया है। घटना 13 अक्तूबर 2024 की है। जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल की हत्या कर दी गई थी इससे पहले बुधवार को आए फैसले में अदालत ने मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू, उसके पिता अब्दुल हमीद, दो भाइयों फहीम और तालिब उर्फ सबलू सहित 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था। बृहस्पतिवार दोपहर बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। केस को लेकर कचहरी परिसर में सुबह से ही गहमागहमी रही।कचहरी में दिनभर तनाव और उत्सुकता सजा का फैसला आने से पहले कचहरी परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोग, मृतक पक्ष के परिजन और वकील लगातार कोर्ट की कार्रवाई पर नजर रखे हुए थे। सभी की निगाहें अदालत द्वारा सुनाई जाने वाली सजा पर टिकी रहीं। फैसला आने के बाद लोगों में चचाएं तेज हो गईं। जानें पूरा मामला... रामगोपाल हत्याकांड को 14 महीने पूरे होने वाले हैं। यह वही घटनाक्रम है, जिसने दशहरे जैसे पावन पर्व पर पूरे जिले को हिंसा की आग में झोंक दिया था। पीएसी तैनात हुई, रैपिड एक्शन फोर्स को उतारा गया। डीएम-एसपी खुद डटीं। इसके बाद भी हालात नियंत्रित नहीं हुए। मुख्यमंत्री योगी ने हस्तक्षेप किया और यूपी एटीएस चीफ अमिताभ यश को जिम्मेदारी सौंपी, तब धीरे-धीरे हालात सामान्य होने शुरू हुए। 13 अक्तूबर का जिक्र करते ही रामगोपाल की मां मुन्नी देवी टूट जाती हैं। कुछ बोलती नहीं...आखों से आंसू फूट पड़ते हैं। सिसकियों के बीच बेटे का नाम लेती रहती हैं। पत्नी रोली मिश्रा की आंखें न्याय के इंतजार में पथरा गई हैं। बेटे की हत्या के बाद से ही पिता कैलाश नाथ मिश्र की तबीयत खराब चल रही है। पिता अभी मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। सांस लेने में तकलीफ है।

ट्राला से टकराई श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो, तीन की मौत

अयोध्या : जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कल्याण भदरसा के पास प्रयागराज हाईवे पर बृहस्पतिवार की भोर में लगभग पांच बजे श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो अनियंत्रित होकर ट्राला से टकरा गई। हादसे में बोलेरो सवार दो महिलाओं समेत तीन की मौत हो गई। जबकि, आठ लोग घायल हो गए। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के मऊगंज निवासी चित्रसेन पटेल (50) परिवार के 10 लोगों के साथ रामलला का दर्शन करने अयोध्या आ रहे थे। वह लोग बोलेरो से बुधवार को निकले थे। बृहस्पतिवार की भोर में लगभग पांच बजे सभी कल्याण भदरसा के पास पहुंचे तो चालक को अचानक

नींद लगी और वह अनियंत्रित होकर सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्राला में भिड़ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लिया और अफसरों को घायलों की हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। वहीं, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।हादसे में बोलेरो सवार चित्रसेन की बेटी अंकिता पटेल (25), महेंद्र मणि पटेल की पत्नी मीराबाई (25) व चालक राम यश मिश्रा (50) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चित्रसेन उनकी पत्नी चंद्रकला (45), बेटा तनुज पटेल (20) व दीपक कुमार पटेल (35), सरोज मणि पटेल की पत्नी कुसुम (35) और बेटा आशीष पटेल (23), हरिकेश का पांच साल का बेटा शिवांश पटेल व पत्नी शशि पटेल (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर आई पूराकलंदर पुलिस ने घायलों को तीन एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घायलों का इलाज चल रहा है। दोनों वाहनों को कब्जे में लिया गया है।

आजम खां को कोर्ट से राहत

सेना पर विवादित बयान में बरी, बेटे के साथ रामपुर जेल में है बंद

रामपुरः सेना पर विवादित बयान के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिल गई है। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सपा नेता को दोषमुक्त करार दिया है। यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज कराया था।आरोप था कि आजम खां सपा कार्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते समय केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे और इसी दौरान उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। पुलिस ने जांच पूरी कर आजम खां के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी।यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चला। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हुई। दोनों पक्षों को

सुनने के बाद कोर्ट ने आजम खां को बरी कर दिया है। 13 मामलों में आ चुका है फैसला, सात में हो चुकी है सजा सपा नेता आजम खां पर 84 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से 13 मामलों में कोर्ट फैसला सुना चुका है। इनमें से सात मामलों में उन्हें सजा हो चुकी है, जबकि शेष मामलों में वह बरी हो चुके हैं। रामपुर जेल में बेटे के साथ बंद हैं आजम दो पैन कार्ड मामले में सपा नेता आजम खां अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ सात साल की सजा काट रहे हैं। कोर्ट ने दोनों पिता-पुत्र को दो पैन कार्ड मामले में सात-सात साल की सजा सुनाई है। अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट मामले में भी सजा दी जा चुकी है। फिलहाल दोनों रामपुर जेल में बंद हैं।

जयराम रमेश ने राजनाथ को सौंपी मणिबेन की डायरी

नेहरू पर उनके दावे को बताया गलत, बाबरी मस्जिद से जुड़ा है मामला

नयी दिल्ली : कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को वल्लभभाई पटेल की पुत्री मणिबेन पटेल की गुजराती में लिखी डायरी की प्रविष्टियों की एक प्रति सौंपी और उन्हें बताया कि उनमें उनके इस दावे का कोई जिक्र नहीं है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू सरकारी धन का उपयोग करके बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे। संसद के मकर द्वार के बाहर रक्षा मंत्री के कार से उतरते ही रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने सिंह को बताया कि वह विशेष रूप से उनके लिए गुजराती में मणिबेन पटेल की डायरी प्रविष्टियां लाए हैं, जिस पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, हमारे पास यह अंग्रेजी में है। गुजराती में मूल डायरी प्रविष्टियों वाले कागजात एक पुस्तक में प्रकाशित हुए हैं। इसका हिंदी अनुवाद भी उन्हें सौंपते हुए रमेश ने उन्हें इसे पढ़ने के लिए कहा। राजनाथ सिंह ने जवाब दिया कि उन्हें गुजराती नहीं आती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि डायरी की प्रविष्टियों में सिंह के इस दावे का कोई उल्लेख नहीं है कि नेहरू सार्वजनिक धन का उपयोग करके बाबरी मस्जिद का निर्माण करना चाहते थे। रमेश ने रक्षा मंत्री के एक हालिया बयान का हवाला देते हुए बीते छह दिसंबर को कहा था कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में झूठ फैलाने के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया था कि राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपने रिश्ते को बेहतर करने के मकसद से यह बयान दिया। राजनाथ सिंह ने पिछले दिनों गुजरात में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि जवाहरलाल नेहरू सरकारी धन से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने उनकी योजना सफल नहीं होने दी।

म्यांमार में अस्पताल पर हुआ हवाई हमला, 30 की मौत 70 घायल

म्यांमारः म्यांमार इन दिनों गंभीर गृहयुद्ध की आग में झुलस रहा है। 10 दिसंबर की रात राखाइन प्रांत के एक अस्पताल पर एयर-स्ट्राइक हुआ, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 70 लोग घायल हुए। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इस अस्पताल में विद्रोही समूह अराकन आर्मी के लड़के इलाज करा रहे थे या छिपे हुए थे। हालांकि, म्यांमार की सेना और सरकार की तरफ से इस हमले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। म्यांमार में वर्तमान संघर्ष की जड़ें 1 फरवरी 2021 तक जाती हैं। उस दिन म्यांमार की सेना ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका। आंग सान सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी ने 2020 के चुनावों में भारी बहुमत

हासिल किया था। सेना ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए सत्ता हथिया ली। इस तख्तापलट के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन सेना ने इन्हें हिंसक रूप से दबा दिया। विरोध के बाद नए सशस्त्र समूहों का गठन हुआ। विद्रोही समूहों ने 2024 तक देश के लगभग 40-50ः इलाकों पर नियंत्रण कर लिया था। खासकर सीमावर्ती क्षेत्र जैसे शान स्टेट और राखाइन स्टेट में उनका दबदबा मजबूत था। लेकिन 2025 में सेना ने बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। उदाहरण के तौर पर, अक्टूबर 2025 में सेना ने ह्नलवांउम शहर वापस छीन लिया। हालांकि, बड़े शहर जैसे यांगून और छंलचलपकूं पर सेना का नियंत्रण अभी भी कायम है। इस पूरे संघर्ष में चीन ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। उसने म्यांमार सेना को सैन्य सहायता दी और दबाव बनाया ताकि अपने पाइपलाइन और दुर्लभ मिट्टी के खनन परियोजनाओं को सुरक्षित रखा जा सके। इससे विद्रोहियों की रणनीति प्रभावित हुई।

राहुल गांधी का दावा: संसद में बहुत नर्वस थे अमित शाह

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि लोकसभा में बुधवार को अपनी बात रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह बहुत नर्वस नजर आए तथा उन्होंने बहस की चुनौती पर कोई जवाब नहीं दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरे देश ने देखा कि अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं। राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, अमित शाह जी कल संसद में बड़े नर्वस थे। उनके हाथ कांप रहे थे, उन्होंने गलत भाषा का इस्तेमाल किया। अमित शाह जी मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं, जो कल पूरे देश ने देखा।

उन्होंने कहा, मैंने श्वोट चोरीश से जुड़ी जो बातें कहीं, उसका गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने अमित शाह जी को मेरे संवाददाता सम्मेलनों पर बहस करने के लिए सीधी चुनौती दी, जिसका भी कोई जवाब नहीं आया। राहुल गांधी का कहना था कि सभी जानते हैं कि सच क्या है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी थी कि वह वोट चोरी से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों को लेकर उनसे बहस कर लें। दरअसल निचले सदन में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए गृह मंत्री ने राहुल गांधी के हालिया तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनके तथ्यों को असत्य करार दिया जिनमें नेता प्रतिपक्ष ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाये थे। इस पर राहुल गांधी ने कहा, अमित शाह जी, मैं आपको चुनौती देता हूं कि मेरे तीनों संवाददाता सम्मेलनों पर बहस कर लेते हैं। इस दौरान अमित शाह ने थोड़े तीखे लहजे में कहा, मैं 30 साल से विधानसभा और संसद में हूं। संसदीय प्रणाली का लंबा अनुभव है। वह कह रहे हैं कि पहले उनकी बात का जवाब दें। आपकी मुंसिफी से संसद नहीं चलेगी। मेरे बोलने का क्रम मैं तय करुंगा। उन्हें धैर्य होना चाहिए। मेरे भाषण का क्रम वो तय नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने पिछले कुछ महीनों में तीन अलग-अलग संवाददाता सम्मेलनों के जरिये यह दावा किया था कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में वोट चोरी की गई है।

पार्सल बिजनेस में सुधार

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर पार्सल बिजनेस को विस्तार एवं बढ़ावा देने के क्रम में छोटे व्यापारियों एवं किसानों को बढ़ावा देने के लिए एग्रीगेटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन की शर्तों में बड़ी छूट दी जा रही है। यह छूट पूर्वोत्तर रेलवे सहित सभी क्षेत्रीय रेलों पर दिया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में लोग इसका लाभ उठा सके। पार्सल बिजनेस को बढ़ाने के लिए एंट्री बैरियर को हटाकर सुधार किया गया है। जॉइंट पार्सल प्रोडक्ट-रैपिड कार्गो सर्विस के लिए लॉजिस्टिक्स, कार्गो/कूरियर हैंडलिंग और ट्रांसपोर्टेशन बिजनेस के लिए 50 लाख रुपये के नेट टर्नओवर का प्रोविजन हटा दिया गया है। फ्रेट फॉरवर्डर्स/ट्रांसपोर्टर्स को एग्रीगेटर्स के तौर पर पैनल में शामिल करने के लिए 20,000 रुपये $ जीएसटी की एम्पैनलमेंट फीस को घटाकर आधा यानि कि 10,000 रुपये $ जीएसटी कर दिया गया है। पार्सल कार्गो एक्सप्रेस लीजिंग पॉलिसी के अन्तर्गत पीसीईटी टेंडर्स में हिस्सा लेने के लिए 10 करोड़ रुपये के नेट टर्नओवर का फाइनेंशियल एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया हटा दिया गया है। इसी प्रकार ई-ऑक्शन हेतु पार्सल वैन और एस.एल.आर के ई-ऑक्शन में हिस्सा लेने के लिए नेट टर्नओवर का फाइनेंशियल एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया हटा दिया गया है। लिबरलाइजेशन के बाद, कई नए ट्रेडर्स ने क्षेत्रीय रेलों पर एग्रीगेटर्स के तौर पर रजिस्टर किया है और सर्विस का इस्तेमाल किया है, जिससे यह संख्या 24 से बढ़कर 102 हो गई है। इससे पैसेंजर ट्रेनों और पार्सल कार्गो एक्सप्रेस में एस.एल.आर. के रूप में भारतीय रेल के पास मौजूद पार्सल स्पेस का बेहतर इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। एस.एल.आर.स्पेस की लीजिंग - समय की फ्लेक्सिबिलिटी के लिए एस.एल.आर.पार्सल वैन, या ट्रेन के डिब्बों में सरप्लस स्पेस अब जरूरत के हिसाब से कम समय (10-90) दिनों के लिए भी लीज पर दिए जा सकते हैं। खाली दिशा में इस्तेमाल के लिए इंसेंटिव के लिए पारंपरिक रूप से खाली फ्लो दिशा में लोड किए गए पार्सल ट्रैफिक के लिए कॉम्पिटिटिव (कम) रेट देने के लिए एक इंसेंटिव स्कीम शुरू की गई है। इसका उद्देश्य कार्गो के लिए इंसेंटिव देना और लॉजिस्टिक्स कॉस्ट कम करना है, साथ ही उपलब्ध पार्सल स्पेस का बेहतर उपयोग करना है। कॉनकोर ने पार्सल बिजनेस में एग्रीगेटर के तौर पर भी रजिस्टर किया है। इस पार्टनरशिप में फर्स्ट माइल टू लास्ट माइल सर्विस दी जा रही है।

ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर : रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल के अजमेर-मदार खण्ड के मध्य समपार संख्या-44 पर सीमित ऊँचाई के सब-वे निर्माण कार्य हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा। -जैसलमेर से 12 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 15013/25013 जैसलमेर-काठगोदाम-जैसलमेर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग जोधपुर-मारवाड़-अजमेर-फुलेरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग जोधपुर-मेड़ता रोड-फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग के परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, फुलेरा, रींगस, नीम का थाना, नारनौल एवं अटेली स्टेशनों पर प्रदान किया जायेगा तथा यह गाड़ी भगत की कोठी, लूनी, पाली मारवाड़, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, राजगढ़, अलवर जं., खैरथाल एवं बवल स्टेशनों पर नही रूकेगी। -काठगोदाम से 11 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 15014/25014 काठगोदाम-जैसलमेर-काठगोदाम एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग फुलेरा-अजमेर-मारवाड़-जोधपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा-मेड़ता रोड-जोधपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग के परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव अटेली, नारनौल, नीम का थाना, रींगस, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, मेड़ता रोड स्टेशनों पर प्रदान किया जायेगा तथा यह गाड़ी बवल, खैरथाल, अलवर, राजगढ़, बांदीकुई, दौसा, गांधीनगर जयपुर, जयपुर, किशनगढ़, अजमेर, ब्यावर, मारवाड़, पाली मारवाड़, लूनी एवं भगत की कोठी स्टेशनों पर नही रूकेगी। -पोरबन्दर से 11 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 19269 पोरबन्दर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग दौराई-अजमेर-मदार जं0 के स्थान पर परिवर्तित मार्ग दौराई-मदार जं0 (बाईपास)के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दौराई एवं मदार जं0 स्टेशन पर प्रदान किया जायेगा। यह गाड़ी अजमेर स्टेशन पर नही रूकेगी।

कल्याण से 04.44 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 06.25 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर : रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर मुम्बई के लिए 01082/01081 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस विशेष गाड़ी का संचलन बनारस से 12 दिसम्बर, 2025 को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 14 दिसम्बर, 2025 को 01 फेरे के लिए निम्नवत किया जायेगा। 01082 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी 12 दिसम्बर, 2025 को बनारस से 19.40 बजे प्रस्थान कर वाराणसी से 20.05 बजे, मिजार्पुर से 21.50 बजे, दूसरे दिन प्रयागराज छिवकी से 01.07 बजे, मानिकपुर से 03.50 बजे, सतना से 04.57 बजे, मैहर से 05.27 बजे, कटनी से 06.30 बजे, जबलपुर से 08.30 बजे, नरसिंहपुर से 10.04 बजे, पिपरिया से 11.18 बजे, इटारसी से 14.00 बजे, खण्डवा से 18.04 बजे, भुसावल से 20.20 बजे, तीसरे दिन नासिक रोड से 00.29 बजे तथा कल्याण से 04.44 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 06.25 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 01081 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस विशेष गाड़ी 14 दिसम्बर,2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 08.25 बजे प्रस्थान कर कल्याण से 09.14 बजे, नासिक रोड से 12.55 बजे, भुसावल से 17.05 बजे, खण्डवा से 19.30 बजे, इटारसी से 21.10 बजे, पिपरिया से 23.17 बजे, दूसरे दिन नरसिंहपुर से 00.23 बजे, जबलपुर से 02.10 बजे, कटनी से 03.35 बजे, मैहर से 04.32 बजे, सतना से 05.37 बजे, मानिकपुर से 07.25 बजे, प्रयागराज छिवकी से 10.00 बजे, मिजार्पुर से 13.26 बजे तथा वाराणसी से 15.35 बजे छूटकर बनारस 16.05 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर, : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 10 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान व राजकीय रेलवे पुलिस के संयुक्त निगरानी में सीवान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 3 से यात्री का मोबाइल छीनकर भागते हुए एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। 09 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान व राजकीय रेलवे पुलिस के संयुक्त निगरानी में सीवान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 से यात्रियों के चोरी किये हुए 05 अद्द मोबाइल के साथ 02 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। 09 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर, माधोसिंह के संयुक्त निगरानी में झूंसी रेलवे स्टेशन स्थित अंदावा आर.ओ.बी. के निकट 3000 वर्ग मीटर रेल भूमि से लगे अतिक्रमण को हटाया गया। 09 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15110 में 12 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ को सुपुर्द किया गया। 09 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट देवरिया सदर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15131 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे देवरिया सदर पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 09 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14006 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे सीवान पोस्ट पर जमा कराया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल के बीच खेले जा रहे मैच का दृश्य

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे के तत्त्वावधान में 10 से 13 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में खेली जा रहीं 32वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2025 के दूसरे दिन 11 दिसम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे ने रेलवे सुरक्षा विशेष बल को कड़े मुकाबले में 38-37 अंकों से हराकर मैच जीत लिया। पूर्वोत्तर रेलवे के भीम सिंह, राम आसरे, सूर्यभान सिंह, दीपक, मनोज, अजय मल्ल ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रातः काल खेले गये मैच में रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने अपने दमदार प्रदर्शन से एकतरफा मुकाबले में मध्य रेलवे को 64-17 अंको से शिकस्त देकर मैच जीत लिया वही दक्षिण रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे को 65-20 अंको के भारी अन्तर से पराजित कर मैच जीत लिया। आज सायंकाल में खेले गये मैच में पश्चिम रेलवे ने मध्य रेलवे को 64-27 भारी अंको से एवं दक्षिण मध्य रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को कड़े मुकाबले में 35-28 अंको से हराया। देर सायं तक इस प्रतियोगिता का अन्य मैच खेले जा रहे थे। इस अवसर रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं भारी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

काशी को मिली देश की पहली हाइड्रोजन जलयान की सौगात

वाराणसी। काशी को देश की पहली हाइड्रोजन जलयान की सौगात बृहस्पतिवार को मिली। केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने नमो घाट

से वाटर टैक्सी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। देश की पहली हाइड्रोजन जलयान का संचालन बृहस्पतिवार से गंगा में शुरू हुआ। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने काशी के नमो घाट से जलयान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही जलयान पर सवार होकर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक गए। हाइड्रोजन जलयान का किराया और बुकिंग का विकल्प अभी तक नहीं दिया गया है। जल्द ही आम लोगों को इस सेवा का लाभ मिलने लगेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर परिवहन प्रणालियों की ओर एक परिवर्तनकारी बदलाव देख रहा है। हमारे पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान का शुभारंभ प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री की 'मेक इन इंडिया' की प्रतिबद्धता और सभी क्षेत्रों में हरित परिवहन की ओर बदलाव को दशार्ती है। यह उपलब्धि हमारी पवित्र गंगा के पुनरुद्धार और संरक्षण के व्यापक मिशन को भी मजबूत करती है। जलमार्गों पर स्वच्छ तकनीकों को बढ़ावा देते हुए, हम न केवल नवाचार को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास पर्यावरण के प्रति हमारे दायित्व के साथ-साथ चले। आज की यह उपलब्धि हमारे राष्ट्र के लिए एक हरित और समृद्ध समुद्री भविष्य के निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री के अटूट संकल्प को दशार्ती है। प्रतिघंटे 12 किमी से ज्यादा होगी रफ्तार, पांच हाइड्रोजन सिलिंडर लगाए आईडब्ल्यूएआई के अधिकारियों के मुताबिक गंगा में पहली बार हाइड्रोजन जलयान चलाई जा रही है। इसमें एक साथ 50 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है। जलयान में पांच हाइड्रोजन सिलिंडर लगेंगे। इसकी रफ्तार 12.038 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। विकल्प के तौर पर 3 किलोवाट के सोलर पैनल भी लगाए गए हैं। ईंधन रीफिलिंग के लिए चार स्टेशन बनाए जाएंगे।

सामूहिक विवाह भोज में रोटी-सब्जी के लिए धक्का-मुक्की

कानपुर। कानपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 600 से अधिक जोड़ों ने विवाह किया, जिसमें सोशल मीडिया से मिली पंजाब की जोड़ी भी शामिल थी। वहीं, समारोह में भोजन वितरण के दौरान भारी अव्यवस्था दिखी, जहां दूल्हा-दुल्हन भी खाने के लिए लाइन में खड़े रहे और रसगुल्ले के लिए होड़ मच गई। कानपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित भव्य समारोह में बुधवार को 600 से अधिक जोड़ों ने एकसाथ अग्नि साक्षी मानकर सात फेरे लिए। इन्हीं में शामिल रहे पंजाब के लुधियाना से आए जगजीत और श्याम नगर की अंकिता, जिनकी प्रेम कहानी एक साल पहले सोशल मीडिया चैट से शुरू हुई थी। जगजीत, जो पेशे से जिम ट्रेनर हैं, ने बताया कि ऑनलाइन परिचय धीरेझ्र धीरे विश्वास में बदला और अंततः दोनों ने एक-दूसरे को जीवनसाथी बनाने का फैसला किया। बायोमेट्रिक से हाजिरी दर्ज दोनों ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह की रस्में पूरी कीं। कार्यक्रम में पहुंचे जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और सीडीओ दीक्षा जैन ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया तथा उन्हें 1100 रुपये का उपहार प्रदान किया। सुबह 10 बजे से ही सीएसए स्टेडियम में जोड़ों और उनके परिजनों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। सभी जोड़ों का पहले बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन हुआ और उसके बाद उन्हें विवाह मंडप की ओर भेजा गया। पंडाल में वैदिक विधि-विधान के साथ सभी 600+ जोड़ों ने एकसाथ सात फेरे लिए, जिसे देखकर पूरा परिसर खुशियों से गूंज उठा। खाने में अव्यवस्था, दूल्हा दुल्हन लगे लाइन में समारोह में शादियों का सिलसिला सुचारु रहा, लेकिन भोजन व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई। जैसे ही भोजन शुरू हुआ पंडाल में अफरातफरी मच गई। प्लेट लेने के लिए दूल्हा-दुल्हन तक को लंबी लाइन में लगना पड़ा। रोटी और सब्जी के लिए भीड़ में धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब रसगुल्ले की थाल पंडाल में पहुंची, कुछ ही पलों में इसे लेने के लिए चारों तरफ लूट जैसी होड़ मच गई और व्यवस्थाएं पूरी तरह फेल होती दिखी।

तेज रफ्तार ट्रकों की टक्कर से दो युवकों की मौत

कानपुर। चकेरी और बिधनू थाना क्षेत्रों में बुधवार रात तेज रफ्तार ट्रकों की टक्कर से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कानपुर के चकेरी और बिधनू थाना क्षेत्र में रफ्तार ने बुधवार रात एक बार फिर दो युवकों की जान ले

ली। हादसे के वक्त एक युवक हेलमेट नहीं लगाया था। वहीं दूसरे युवक का हेलमेट स्ट्रिप खुलने से दूर जा गिरा। इससे युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव पोस्टमार्टम भेज दिया। सैनिक नगर अहिरवा निवासी मदन का बेटा विवेक सक्सेना (20) कैटरिंग का काम करता था। परिवार में मां आरती, बड़ा भाई विकास है। परिजनों ने बताया कि बुधवार रात करीब 10:30 बजे विवेक एक पार्टी से पेमेंट लेने के लिए श्याम नगर स्थित एक गेस्ट हाउस जा रहा था। अभी वह कृष्णा नगर पेट्रोल पंप के पास पहुंचा ही था कि पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह उछलकर गिरा और स्ट्रिप खुलने से हेलमेट दूर जा गिरा। हादसे के दौरान भागने में उसे रौंद दिया। हेलमेट न पहनने से मौके पर ही मौत इससे मौके पर उसकी मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पारिवारीजनों को सूचना दी, तो कोहराम मच गया।

संक्षिप्त खबरें

ओवर हाईट गन्ने लदे वाहनों के खिलाफ चला अभियान

नगर बाजार (बस्ती)। जिले में बुधवार को ओवर हाईट गन्ना लदे वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। फुटहिया, मनौरी सहित विभिन्न स्थानों पर चले अभियान में ओवरलोडिंग करने वाले वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान यातायात प्रभारी अवधेश तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। टीम ने ओवर हाईट व ओवरलोड वाहनों को रोककर आवश्यक दस्तावेजों की जांच की तथा चालक-परिचालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। उन्हें बताया गया कि ओवर हाइट वाहनों से सड़क सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

भाकियू का शहीद किसान मेला आज

मुंडेरवा। बंद पड़ी मुंडेरवा चीनी मिल को चलवाने के लिए 11 दिसंबर 2002 हुए किसान आंदोलन में शहीद हुए तीन किसानों की स्मृति में बृहस्पतिवार को किसान मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश सिंह टिकैत हिस्सा लेंगे। वह किसानों की समस्याओं को लेकर हुंकार भरेंगे। शहीद किसान मेले की तैयारी बैठक बुधवार को मुंडेरवा स्थित भाकियू के मंडलीय कार्यालय पर पूर्वांचल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान भाकियू के प्रदेश सचिव दीवान चंद्र पटेल ने बताया कि बृहस्पतिवार को शहीद किसानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण, आंदोलन में घायलों को सम्मानित करने के बाद कृषि उद्यान पर्यावरण गोष्ठी, वक्ताओं के भाषण होंगे। इस दौरान सुभाष चंद्र किसान, शोभा राम ठाकुर, महेंद्र कुमार चौधरी, जयराम चौधरी, गौरीशंकर चौधरी, राम फेर चौधरी आदि मौजूद रहे।

पति-पत्नी को साथ रहने के लिए कराया राजी

बस्ती। पिंक बूथ परामर्श केंद्र, सर्किल रूधौली ने आपसी मतभेद के कारण अलग-अलग रहने वाले पति-पत्नी को समझा-बुझाकर फिर से साथ रहने के लिए तैयार कर दिया। प्रभारी सरोज माला और परामर्शदाता सुशांत पांडेय के नेतृत्व में पिंक बूथ टीम ने मामले का संज्ञान लिया। आवेदनकर्ता की शिकायत पर कौशकी पत्नी दीपक शर्मा निवासी बजहा थाना रुधौली और उनके परिवार के सदस्यों को बुलाकर काउंसलिंग की गई। टीम ने दोनों पक्षों को आपसी मतभेद और पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए मार्गदर्शन किया। काउंसलिंग के बाद पति-पत्नी ने समझौता किया और एक-दूसरे के साथ खुशी-खुशी रहने के लिए तैयार हो गए।

सभी थानों में स्थापित होंगे साइबर क्राइम और शिकायत निस्तारण केंद्र

बस्ती। बुधवार को पुलिस लाइंस सभागार में साइबर क्राइम रोकथाम, जनता फीडबैक और आईजीआरएस प्रणाली के प्रभावी संचालन के लिए विशेष बैठक आयोजित की। एसपी अभिनंदन ने सभी थानों में जन शिकायत केन्द्र स्थापित किए जाएंगे, जहां थाने के दिवसाधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी शिकायतों को सुनकर त्वरित निस्तारण करेंगे। इसके साथ ही, आमजन की सुविधा के लिए प्रत्येक थाना क्षेत्र में हल्का प्रभारी, बिट पुलिस अधिकारी और चौकी प्रभारी के मोबाइल नंबर भी जन शिकायत केन्द्र के पास उपलब्ध कराए जाएंगे। एसपी ने फीडबैक सेल को बताया कि थानों और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का विश्लेषण कर कमियों को दूर किया जाएगा तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम) के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों का 15 दिनों के अंदर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। असंतुष्ट निस्तारण या पुनः शिकायत आने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। साथ ही कहा कि कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। जनता से अपील की गई है।

गहरे जड़ जमा चुका कोडीन युक्त सिरप का धंधा खुल रही कलई

बस्ती। कोडीन युक्त सिरप को लेकर उठे बवंडर में बस्ती का नाम भी लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। यहां अभी कोई गिरफ्तारी तो नहीं हुई लेकिन इस धंधे की एक के बाद एक परत खुल रही है। बता दें कि 22 नवंबर को पुरानी बस्ती थाने में पहली एफआईआर दर्ज हुआ था। वहीं नौ दिसंबर को कोतवाली में कोडीन युक्त सिरप की 1.72 लाख शीशी के गोलमाल का मामला दर्ज हुआ है। अब तक की छानबीन में पता चला है कि यह स्टॉक दवाओं की आपूर्ति के नियमित चेन से न होकर अलग नेटवर्क के माध्यम से पहुंचाया जा रहा था। कई प्रदेशों तक फैले इस नेटवर्क के बीच बस्ती पुलिस के सामने सबसे बड़ा संकट केस से जुड़े साक्ष्य जुटाने का है। चूंकि इस मामले में उच्च स्तर से एसआईटी भी जांच कर रही है, इसलिए पुलिस अपनी छानबीन में फूंक फूंककर कदम रख रही है। माना जा रहा है कि पुलिस के लिए इस गिरोह की तह तक पहुंच पाना आसान नहीं होगा। बता दें कि मंगलवार को कोतवाली में शहर के गणपति फार्मा के संचालक पंकज साहनी के खिलाफ औषधि निरीक्षक अरविंद कुमार ने केस दर्ज कराया था। जिसमें कहा गया था कि झारखंड के रांची की कंपनी से भेजी गई 1.72 लाख शीशी न्यू फेनसिडिल सिरप की सप्लाई हुई। जिसे शहर की चार फार्मा के माध्यम से गणपति फार्मा को आपूर्ति की गई। औषधि निरीक्षक की जांच में पाया गया कि गणपति फार्मा ने उक्त चारों फर्मों से सिरप तो खरीदा लेकिन वे शीशियां किसे बेची गई इसका लेखाजोखा नहीं मिल पाया। इससे जाहिर है कि नशे के लिए इस्तेमाल करने के लिए उसे अवैध तरीके से बेचा गया।

कोडीनयुक्त सिरप लेकर मुंबई जाते पकड़े गए दो दोषियों को दस-दस वर्ष करावास

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय-अपर सत्र न्यायाधीश विजय कुमार कटियार की अदालत ने कोडीन युक्त सिरप की खेप के साथ पकड़े गए बलरामपुर जिले के अहमर खान उर्फ तारिक और रमजान शेख को दोषी ठहराते हुए बुधवार को दस-दस वर्ष के कठोर कारावास और एक-एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दोनों को एक-एक वर्ष अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। शासकीय अधिवक्ता कुमार उत्कर्ष व मृत्युंजय उपाध्याय ने बताया कि 23 मार्च को जीआरपी ने प्लेटफार्म नंबर एक पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को नशीले पदार्थ के साथ पकड़ा था। जिसमें बलरामपुर जिले के उतरौला थाने के रमवापुर निवासी अहमद खान उर्फ तारिक के पास से तीन सौ शीशी और उसी जिले के कस्बा तुलसीपुर निवासी रमजान शेख के कब्जे से कुल 215 शीशी कोडीन युक्त सिरप बरामद की गई थी। दोनों ने जीआरपी को बताया था कि सिद्धार्थनगर जिले के इटवा थानाक्षेत्र के किसी जायसवाल ने उन्हें मुंबई पहुंचाने के लिए दिया था। दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचक ने 23 जून को न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। गवाहों के बयान और सबूतों के मद्देनजर न्यायालय ने माना कि दोनों की आपराधिक पृष्ठभूमि तो नहीं है

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगा भारत

मुल्लांपुर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 आज मुल्लांपुर में है। भारतीय टीम पहले ही पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है और अब उसकी नजरें जीत की लय बरकरार रखने पर है। युवराज-हरमनप्रीत के नाम पर स्टैंड भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20 मैच के से पहले न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर बने स्टैंड का भी अनावरण किया गया। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद रहे। युवराज ने 2011 वनडे विश्व कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जबकि भारतीय महिला टीम ने इस साल हरमनप्रीत की कप्तानी में पहली बार वनडे विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

संक्षिप्त समाचार

प्रो. डीएन गोस्वामी को जीविवि के परीक्षा नियंत्रक का प्रभार

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक का प्रभार कंप्यूटर साइंस अध्ययनशाला के प्रो. डीएन गोस्वामी को सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव मिश्रा को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कुलसचिव का प्रभार सौंपा गया था इसके बाद से परीक्षा नियंत्रक का पद खाली था। बुधवार को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

किशनचंद की स्मृति में 51 मजदूरों का आज होगा सम्मान

ग्वालियर। नागरिक जन सेवा समिति द्वारा 11 दिसंबर गुरुवार को गरीबों के हक के लिए हमेशा लड़ाई लड़ने वाले ओजस्वी वक्ता एवं समाजसेवी स्व. किशनचंद ऐरन की 33वीं पुण्य तिथि पर 51 कामगार मजदूरों को सम्मानित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि यह आयोजन शाम 5 बजे सिटी प्लाजा शिंदे की छावनी पर होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल होंगे।

मानवाधिकार दिवस का बताया महत्व

ग्वालियर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय श्यामलाल पाण्डवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को एनएसएस इकाई द्वारा विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ. शत्रुघ्न सिंह तोमर ने मानवाधिकार दिवस के महत्व के बारे में एनएसएस स्वयंसेवकों को अवगत कराया। कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि मनुष्य के मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य और न्यायोचित काम की परिस्थितियां हर मनुष्य का मूलभूत अधिकार है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा द्वारा 10 दिसंबर, 1948 को सार्वभौमिक मानवाधिकारों की घोषणा की गई। डॉ. एके सिंह ने स्वयंसेवकों को बताया कि हमारे मौलिक अधिकार मानवाधिकारों का ही प्रतीक हैं। कार्यक्रम में डॉ. जगदीश आर्य, डॉ. मनोज गुर्जर, डॉ. अनिल कुमार सिंह ने भी स्वयंसेवकों को संबोधित किया। इस अवसर पर 50 से अधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

शासकीय भवनों पर लगेंगे रूफटॉप सोलर सिस्टम, 92 का हुआ चयन

ग्वालियर। जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना (पीएमएसजी-एमबीवाय) के तहत शासकीय भवनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने ऊर्जा विकास निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के विभिन्न विभागों के सरकारी भवनों पर सोलर सिस्टम स्थापित कराए जाएं और इस कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। ऊर्जा विकास निगम के सहायक यंत्री तरुण कुमार गुर्जर ने बताया कि शासन ने ग्वालियर जिले के शासकीय भवनों पर सोलर सिस्टम लगाने के लिए रेस्को डवलपर एसएनएएस इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। योजना के प्रथम चरण में 20 किलोवॉट से अधिक भार वाले सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुर्जर के अनुसार जिले में 92 शासकीय भवनों का चयन किया जा चुका है, जिन पर चरणबद्ध तरीके से सोलर सिस्टम लगाया जाएगा।

सड़कों के सुधार के लिए 170 करोड़ की जरूरत

▶▶ मुख्यमंत्री से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

▶▶ दस हजार करोड़ से अधिक लागत वाले विकास कार्यों की हुई समीक्षा

■ ग्वालियर

शहर की सड़कें सुधारने और उन्हें सुचारु रूप से व्यवस्थित करने के लिए 170 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। यही कारण है कि सड़क सुधार को प्राथमिकता देते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने निर्देश दिए कि शहर में निर्माणाधीन सभी विकास कार्यों की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए कार्यवार ग्रोथ चार्ट तैयार किया जाए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई बैठक में 10-12 हजार करोड़ से अधिक लागत वाले शहर के बड़े विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिले की प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने की, जबकि सिंधिया ने विभिन्न विभागों से सड़क और अन्य परियोजनाओं की वास्तविक प्रगति जानकर स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्य समय-सीमा में पूरा होना चाहिए।

बैठक में सड़कों की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। रिपोर्ट में बताया गया कि दो माह पूर्व तक शहर की 171 सड़कें रेड जोन में थीं, जिनमें से 8 सड़कें तैयार हो चुकी हैं। जबकि 163 सड़कें अब भी रेड जोन में हैं, जिनके सुधार के लिए 170 करोड़ रुपए आवश्यक हैं। सड़कों की स्थिति को देखते हुए बैठक में निर्णय लिया गया कि केंद्रीय मंत्री सिंधिया के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भोपाल में मुलाकात करेगा

और शहर की सड़कों के निर्माण व मरम्मत के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का आग्रह करेगा। इसके अलावा एलीवेटेड रोड की समीक्षा के दौरान बताया गया कि दोनों चरणों का भू-अर्जन अंतिम चरण में है। पहला चरण नवम्बर 2026 तक और दूसरा चरण नवम्बर 2027 तक पूर्ण हो जाएगा। बैठक में विशेष रूप से मंत्रीगण नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, महापौर शोभा सिकरवार, विधायकगण डॉ. सतीश सिकरवार, मोहन सिंह राठौर व साहब सिंह गुर्जर, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर व भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। शहर में चल रहे विकास कार्यों को लेकर लगातार जनप्रतिनिधियों द्वारा समीक्षा की जा रही है। 7 दिसम्बर को सांसद भारत सिंह कुशवाह ने भी विकास कार्यों की समीक्षा की थी।

इस पर भी हुई समीक्षा, दिए निर्देश

- ▶▶ वेस्टर्न बायपास का काम शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में, जनवरी माह में शुरू हो जायेगा काम।
- ▶▶ जौरासी में निर्माणाधीन अम्बेडकर धाम का काम जल्द पूर्ण करने के निर्देश। दोनों चरण के काम जून 2027 तक होंगे पूरे।
- ▶▶ आगरा-ग्वालियर ग्रीन फील्ड सिक्सलेन एक्सप्रेस-वे बनने के बाद ग्वालियर से आगरा की 35 किलोमीटर दूरी कम होगी। भू-अर्जन के 238 करोड़ में से 117 करोड़ रुपए वितरित।
- ▶▶ महाराज बाड़ा पर निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग के निचले तल में जल भराव की समस्या के निदान के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की राय लेने के निर्देश।
- ▶▶ चंबल प्रोजेक्ट के काम तेजी के साथ किए जाएं।
- ▶▶ महाराज बाड़ा पर शासकीय मुद्रणालय में औद्योगिक संग्रहालय का काम मौजूदा माह में होगा पूर्ण।
- ▶▶ शहर की ड्रेनेज व सीवेज समस्या से संबंधित कार्यों की समीक्षा के लिए कार्यवार लाल-पीले-हरे चार्ट तैयार करें।
- ▶▶ भिण्ड रोड पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार मौजूदा माह में पूर्ण कराया जाए।

1950 करोड़ की डीपीआर भेजी जाएगी भोपाल

शहर के वार्डों में पानी की योजनाओं पर भी चर्चा की गई। इसमें तया हुआ कि शहर के जो नए 61 से 66 वार्ड हैं, उसमें 950 करोड़ के पेयजल प्रोजेक्ट व वार्ड 1 से 60 के लिए एक हजार करोड़ के पेयजल योजना की डीपीआर अगले शुक्रवार तक तैयार की जाएगी, जिसे भोपाल भेजा जाएगा।

यात्रियों को देना पड़ रहा अतिरिक्त किराया

अंतर्राज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी) की समीक्षा के दौरान विधायक सतीश सिकरवार ने कहा कि आईएसबीटी का काम तो पूरा हो गया है, लेकिन बसों का संचालन मुश्किल है। क्योंकि आईएसबीटी तक पहुंचने के लिए यात्रियों को अतिरिक्त किराया देना पड़ता है। इस पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए।

ग्वालियर विधानसभा की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

■ ग्वालियर

ग्वालियर विधानसभा में लगातार बढ़ती सीवर, जर्जर सड़कों सहित अन्य समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने पदयात्रा एवं विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुनील शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में यह पद यात्रा निकाली गई जो कांचमिल से शुरू हुई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 1, 2, 3, 4 के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ नगर निगम अपर आयुक्त प्रदीप तोमर को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि 15 दिन के भीतर समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। संचालन ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र भदौरिया ने एवं आभार पार्षद किरण धर्मेंद्र वर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अशोक प्रेमी, जेएच जाफरी, देशराज कुशवाह, राजेंद्र परिहार, लखपत चौहान, पिंटू राजपूत, लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, नवीन भदकारिया, राजेश खान, मनोज राजपूत, मनीष, धर्मेंद्र वर्मा, रामू कुशवाहा, शकील मंसूरी, माढू यादव, रामनरेश परमार, तरुण यादव, नगर पाल आर्य, संजीव दीक्षित, राजीव शर्मा आदि मौजूद रहे।

फूलबाग चौराहा पर आज बनेगी मानव श्रृंखला

ग्वालियर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का सपना दिखाकर जर्जर और खंडहर सिटी बनाए जाने सहित अन्य समस्याओं को लेकर कांग्रेस द्वारा 11 दिसंबर को दोपहर एक बजे मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने बताया कि शहर में चारो तरफ खराब सड़कों का जाल, उफनते सीवर, बिगड़ती यातायात व्यवस्था एवं प्रदूषित हवा सहित अन्य समस्याएं विकराल रूप धारण कर रही हैं। जिसे लेकर शहर जिला कांग्रेस विरोध प्रकट करने 11 दिसम्बर गुरुवार को दोपहर 1 बजे, फूलबाग चौराहा पर मानव श्रृंखला बनाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

रैली को सफल बनाने की अपील

पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस द्वारा 14 दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। श्री यादव ने कांग्रेस प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ, किसान, युवा कांग्रेस, सेवा दल, महिला कार्यकर्ताओं से हाईकमान द्वारा दशहरा मैदान नई दिल्ली में आयोजित रैली में बड़ी संख्या में पहुंचकर सफल बनाने की अपील की है।

543 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

■ कृषि विवि का दीक्षांत समारोह आज, सिंधिया होंगे मुख्य अतिथि

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह का आयोजन 11 दिसम्बर को दोपहर एक बजे दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में होगा। समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार शाम 5 बजे रिहर्सल आयोजित की गई, जिसमें पूरे आयोजन की रूपरेखा का अभ्यास किया गया। इसके पहले कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने परिसर को रंगोली, चित्रों और रंग-बिरंगे सामग्री से आकर्षक रूप से सजाया। समारोह में कुल 543 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी, जिनमें 257 स्नातक, 256 स्नातकोत्तर और 30 पीएचडी के विद्यार्थी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला द्वारा दीक्षोपदेश दिया जाएगा।

साथ ही 4 छात्राओं को स्वर्ण पदक तथा 2 छात्राओं को सिरताज बहादुर सिन्हा स्मृति नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया होंगे। समारोह के विशिष्ट अतिथि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना एवं तथा सारस्वत अतिथि डॉ. संजय कुमार, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली दीक्षांत भाषण देंगे। समारोह के दौरानअतिथिगण विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित एरोपोनिक इकाई का उद्घाटन करेंगे तथा जैविक तालाब एवं एकीकृत कृषि प्रणाली मॉड्यूल का निरीक्षण करेंगे। इसके अतिरिक्त मां के नाम एक पौधा अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया जाएगा।

1024 गर्भवती महिलाओं की जांच, 371 मिलीं हाईरिस्क

ग्वालियर। जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत बुधवार को एक साथ 23 सरकारी अस्पतालों में एचआरपी (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) क्लीनिक लगाई गई। दो दिनों की इस विशेष जांच में 1024 गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें से 371 महिलाओं को हाईरिस्क गर्भवती के रूप में चिन्हित किया गया। इन्हें निर्धारित चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार, दवाएं एवं परामर्श प्रदान किया गया। क्लीनिक पर जांच के दौरान महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन, रक्त एवं मूत्र परीक्षण किए गए। इनमें से 255 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी हुई, 50 महिलाओं को आयरन सुक्रोज इंजेक्शन लगाया गया और 17 गर्भवतियों को स्वास्थ्य स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नाका चन्द्रबदनी चौराहे से विक्की फैक्ट्री चौराहा तक होगा सड़क चौड़ीकरण

■ अतिक्रमण चिन्हित किए जाने के लिए सर्वे दल गठित

■ ग्वालियर

नाका चन्द्रबदनी चौराहे से विक्की फैक्ट्री चौराहा तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण के संबंध में विभिन्न स्थानों पर अस्थाई एवं स्थाई अतिक्रमण को चिन्हित किए जाने के संबंध में सर्वे दल का गठन किया गया है। अतिक्रमण के कारण सड़क चौड़ीकरण कार्य में व्यवधान आना संभावित है। इसीलिए अतिक्रमण चिन्हित करने के लिए सर्वे दल का गठन किया गया है। जिसमें प्रभारी कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, उपयंत्री लोक निर्माण विभाग खण्ड 1 दीपक गुप्ता आदि शामिल है। सर्वे दल के सदस्य स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण के संबंध में प्रतिवेदन 3 दिन में प्रस्तुत करेंगे।

स्वास्थ्य में सुधार होने पर एक मरीज वेंटीलेटर से हटाया

■ प्रभारी मंत्री ने मरीजों की कुशलक्षेम पूछी, बेहतर उपचार के दिए निर्देश

■ ग्वालियर

खजुराहो के एक रिसोर्ट में भोजन करने के बाद बीमार हुए मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट बुधवार को जयारोग्य चिकित्सालय समूह के हजार बिस्तर अस्पताल पहुंचे। मंत्री सिलावट ने मरीजों के बिस्तरों तक जाकर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना तथा परिजनों से बातचीत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनके उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। जानकारी के अनुसार

अस्पताल में कुल सात मरीज भर्ती हैं, जिनमें से छह मरीज मेडिसिन विभाग के आईसीयू में उपचाररत हैं। इनमें दो मरीज दयाराम पुत्र रामदयाल (65) और हार्दिक पुत्र प्रभात (20) की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था। चिकित्सकों की टीम द्वारा लगातार निगरानी और उपचार के बाद प्रभात की स्थिति में सुधार आने पर उसे वेंटीलेटर से हटा दिया गया है। वर्तमान में केवल एक मरीज ही वेंटीलेटर सपोर्ट पर है। मंत्री सिलावट ने अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ और अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना को मरीजों के लिए सभी जरूरी चिकित्सकीय सुविधाएं और सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है और अस्पताल प्रशासन सतर्कता के साथ हर आवश्यक कदम उठा रहा है। अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने मंत्री सिलावट को बताया कि छतरपुर से रेफर होकर आने वाले मरीजों में दयाराम, हार्दिक, रवि, रोशनी, गोलू, राजकुमारी और गोविंददास शामिल हैं। सभी मरीज विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार ले रहे हैं और उनकी स्थिति पहले से बेहतर है। निरीक्षण के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौर, जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 13 को

ग्वालियर। सम्पत्तिकर एवं जलकर के लंबित प्रकरणों में वसूली के लिए एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए 13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी। ऐसे प्रकरण जिनमें 50 हजार से 1 लाख तक की राशि बकाया है, उनके अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट एवं 1 लाख रुपए से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही जल उपभोक्ता प्रभार-जलकर के ऐसे प्रकरण जिन पर कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी।

एड्स जागरूकता के लिए बनाए प्रेरक चित्र

ग्वालियर। जनजागरूता का संदेश देने के लिए विद्यार्थियों से अच्छा और कोई विकल्प नहीं है। विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है जो जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करता रहता है। एड्स द्वारा पीड़ित व्यक्तियों को समाज के इस व्यवस्था में जोड़ें और शिविरों के माध्यम से एनएसएस के स्वयंसेवक उनके लक्षण सुझाव को जन-जन तक पहुंचाएं। यौन जनित बीमारी होने के बावजूद भी यह गर्भवती माता को बिना एचआईवी जांच के रक्त चढ़ाने तथा इस्तेमाल की गईं इंजेक्शन के द्वारा फैलने की ज्यादा सम्भावना रहती है जिससे बचा जाए। यह बात प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय ने कही। रेड रिबन क्लब एनएसएस माधव महाविद्यालय द्वारा एड्स पखवाड़े पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरिता दीक्षित ने किया। डॉ. पाण्डेय ने एड्स पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि रेड रिबन क्लब का उद्देश्य ही भयावह बीमारियों को रोकना व समाज में इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम करना होता है। इस बीमारी के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करना और एड्स पीड़ित व्यक्ति को सम्मान के साथ में समाज में स्थान देना ही प्रमुख उद्देश्य है।

आईआईटीटीएम में शहरी जैव विविधता एवं पारितंत्र सेवाएं पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

शहरीकरण के बीच प्रकृति संरक्षण मूलभूत आवश्यकता : शर्मा

■ ग्वालियर

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) में शहरी पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता की महत्ता पर केंद्रित तीन दिवसीय संवेदनशीलता कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को हुआ। शहरी जैव विविधता एवं पारितंत्र सेवाएं विषय पर आधारित इस कार्यशाला का उद्देश्य महानगरों में बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और संरक्षण की अनिवार्यता पर व्यापक समझ विकसित करना है। उद्घाटन सत्र में आईआईटीटीएम के निदेशक डॉ. आलोक शर्मा ने कहा कि तेजी से

बढ़ते शहरीकरण के बीच प्रकृति संरक्षण अब केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन गया है। उन्होंने हरित क्षेत्रों, जलस्रोतों और स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण को शहरी नियोजन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। जीवाजी विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. एसएन मोहापात्रा ने जियोडायवर्सिटी के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि किसी क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक विविधता वहां की जैव विविधता व सांस्कृतिक धरोहर को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि जियोडायवर्सिटी शहरी विकास के लिए आधारित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। वन्यजीव संस्थान, देहरादून के वैज्ञानिक-एफ डॉ. गौतम तलुकदार ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि तेजी से बदलते शहरी पारितंत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों और अपेक्षित परिणामों पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र डब्ल्यूडब्ल्यूएल की विशेषज्ञ टीम डॉ. भूमेश सिंह भदौरिया, अनन्या दास, स्नेहा पांडेय और दीपिका सैरे द्वारा संचालित हुए। इन सत्रों में शहरी जैव विविधता के क्षरण, पारितंत्र सेवाओं के सामाजिक-आर्थिक महत्व, जीआईएस व ड्रोन सर्वे जैसे तकनीकी हस्तक्षेपों तथा क्षेत्रीय प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में शहर के शिक्षाविदों, टाउन एवं कंट्री प्लानिंग विभाग के विशेषज्ञों, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों, पर्यावरण शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। कार्यशाला का तीसरे दिन प्रतिभागियों का फील्ड विजिट ओरछा में आयोजित होगा, जहां वे विश्व धरोहर महत्व वाले स्मारकों, बेतवा नदी के तटीय परिदृश्य, प्राकृतिक आवासों और गिद्ध संरक्षण के प्रयासों का प्रत्यक्ष अध्ययन करेंगे।

शीत ऋतु में गौसेवा के लिए शुरू हुआ गुड़-बाजरे का लड्डू अभियान

■ ग्वालियर

शीत ऋतु के आगमन के साथ गौसेवा का महत्व बढ़ता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए श्रीकृष्णायन संत परंपरा की प्रेरणा से विशेष गुड़-बाजरे के लड्डू सेवा अभियान शुरू किया गया है। विभिन्न मंदिरों में गौसेवकों की टोली प्रतिदिन समर्पण और उत्साह के साथ सेवा कार्य कर रही है, जिससे शीतकाल में गौसंस्कृति की संवेदनशीलता को नई शक्ति मिल रही है। अभियान के तहत प्रतिदिन गुड़ और बाजरे से बने पौष्टिक लड्डू तैयार किए जाते हैं। ये लड्डू ठंड के मौसम में गौवंश के लिए ऊष्मा, ऊर्जा और पोषण का महत्वपूर्ण

स्रोत बनते हैं। तैयार किए गए लड्डू मंदिरों, चिड़ियाघर और गौशालाओं में नियमित रूप से वितरित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक गौवंश तक पोषक आहार पहुंच सके। सेवा से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य भंडारे की भांति सेवा-भाव को आम जन तक पहुंचाना है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रत्यक्ष रूप से सेवा में सहभागी बनें या सहयोग प्रदान कर लड्डू सेवा में योगदान दें।

मंत्र भारत
ग्वालियर-शुक्रवार,12 दिसम्बर 2025

संपादकीय

दुनिया की दिवाली

इसमें दो राय नहीं कि हमारी अमूर्त विरासतें प्राचीन और आधुनिक सभ्यता के बीच पुल का काम करती हैं। यह महज एक स्मृति नहीं, वरन एक निरंतर बहती जीवंत विस्तारित नदी की भांति है। इसी आलोक में दिवाली को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जाना हर भारतीय के लिये गर्व व सुकून का विषय है। निस्संदेह, दिवाली हमारी सनातन संस्कृति व सभ्यता की आत्मा रही है। प्रकृति के अहसासों के अनुरूप अंधेरे के खिलाफ उजाले की जंग की प्रतीक। समाज में समता का संदेश की गरीब के घर भी भरपूर रोशनी पहुंचे। किसी भी समाज में कुम्हार, मूर्तिकार,खील बताशे वाले से लेकर व्यापारी के घर तक लक्ष्मी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि दिवाली को यह स्थान मिलने से पहले कुंभ मेले समेत देश की 15 धरोहरें इस सूची में शामिल हैं। बता दें कि इस वर्ष 19 अक्तूबर को दीपोत्सव पर अयोध्या में सरयू की राम पैड़ी पर जब 26.17 लाख दीये जलाये गए थे तो इस उपलब्धि का प्रकाश पूरी दुनिया में फैला था। गिनीज बुक आफ विश्व रिकॉर्ड में आयोजन दर्ज हुआ था। इस के बाद ही संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने अमूर्त विश्व धरोहर सूची में दिवाली को शामिल किया है। इससे पहले कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला,छाऊ नृत्य, दुर्गा पूजा आदि इस सूची में शामिल है। उल्लेखनीय है कि भारत यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की बीसवीं बैठक की दिल्ली में मेजबानी कर रहा है, जो 13 दिसंबर को समाप्त होगी। दिवाली को संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा मानकर देश के विभिन्न भागों में दस दिसंबर को दीपावली समारोह आयोजित करने का भी फैसला लिया गया था। मकसद यही था कि ताकि विश्व के सामने इस पर्व को मजबूत सांस्कृतिक पहचान के रूप में पेश किया जा सके। निस्संदेह, दिवाली न केवल संस्कृति-प्रकृति से जुड़ी है बल्कि ज्ञान व सनातन धर्म की भी पर्याय है। निस्संदेह, इस घोषणा से इस पर्व को वैश्विक मान्यता मिल सकेगी। दरअसल, यूनेस्को ऐसी सांस्कृतिक व पारंपरिक चीजों को इस सूची में शामिल करता है जो मूर्त रूप में तो नहीं होती, मगर किसी समाज में उसकी व्यापक मान्यता होती है। वास्तव में, यूनेस्को के ऐसे प्रयासों का मकसद यही रहा है कि आने वाले समय में दुनिया की महत्वपूर्ण सांस्कृति धरोहरें सुरक्षित रहें। जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इसका लाभ मिल सके। दरअसल, इस घोषणा के बाद भारत दीपावली के निहितार्थ अंधकार से प्रकाश की ओर जाने के संदेश को पूरी दुनिया को दे सकेगा। इस बार की सूची में दुनिया की जीवित परंपराओं, सामाजिक प्रथाओं, त्योहारों, लोककला व परंपारिक ज्ञान प्रणालियों को सुरक्षित रखने वाली दुनिया की बीस अमूर्त विरासतों को इस सूची में जगह दी गई। कई पीढ़ियों से सहेजी गई विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है यूनेस्को की पहल। निस्संदेह, ये धरोहरें विश्व के विभिन्न समुदायों की पहचान का हिस्सा हैं। सही मायनों में वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक विविधत को अक्षुण्ण बनाये रखने में मददगार साबित होंगी। निश्चय ही भारतीय संस्कृति की अमिट धरोहर वाले पर्व दीपावली का विश्व धरोहर की सूची में शामिल होना भारतीयों के लिये गर्व की बात है। जिसकी बानगी दिल्ली व देश के अन्य भागों में दूसरी दिवाली मनाने के रूप में नजर आई। निश्चय ही इस फैसले से भारतीय सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता मिलेगी। दुनिया इस पर्व की भावनात्मकता के इतर इसकी आध्यात्मिकता व सामाजिक समरसता के संदेश से रूबरू हो सकेगी। निस्संदेह, यह पर्व भारतीय संस्कृति और लोकाचार से गहरे तक जुड़ा है। अब हमारी भी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि दीपावली हमेशा समृद्ध विरासत बनी रहे। दुनिया में उजाले की अंधेरे पर जीत का संदेश निरंतर जाता रहे। जो शाश्वत मानवीय मूल्यों की रक्षा का संदेश भी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि भारत की इस अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के गहरे संदेश का पूरी दुनिया अंगीकार कर सकेगी।

चुनाव सुधार पर अहम चर्चा

बिहार के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 और राज्यों में मतदाता सूची का एसआईआर करवाया है, आज यानी 11 तारीख को एसआईआर के लिए फॉर्म भरने की आखिरी तारीख है। पहले यह मियाद 4 दिसंबर तक थी, लेकिन जब चुनाव आयोग को खुद यह समझ आया कि इतनी जल्दी करोड़ों मतदाताओं की सूची फिर से तैयार नहीं हो सकती तो तारीख आगे बढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष पहले ही इस जल्दबाजी पर सवाल उठा रहा था। एसआईआर का मामला अदालत में भी है, लेकिन चुनाव आयोग ने न बिहार चुनाव के वक्तविपक्ष की आपत्तियों और लोगों की तकलीफों पर ध्यान दिया न अब दे रहा है। इस बीच एसआईआर के काम में लगे कई बीएलओज की अकाल मौत या गंभीर रूप से बीमार होने की खबरें आ चुकी हैं। मगर चुनाव आयोग ने यह माना ही नहीं कि बीएलओज पर काम का या कुछ खास समुदायों के वोट काटने का दबाव है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी के कृत्य को अंजाम देकर सबसे बड़ा देशविरोधी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ द आइडिया

ऑफ इंडिया यानी भारत की अवधारणा को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी पहले भी वोट चोरी के इल्जाम लगाते हुए कई सबूत भी पेश कर चुके हैं, जिनमें महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। नेता प्रतिपक्ष के इन आरोपों पर भाजपा ने हमेशा चुनाव आयोग का बचाव किया है और खुद चुनाव आयोग ने भी इन आरोपों का तार्किक जवाब देने की जगह इन पर फेक का ठप्पा लगाकर खारिज कर दिया है। लेकिन लोकतंत्र इतने उथलेपन के साथ नहीं चल सकता कि विपक्ष के आरोपों को गलत कहकर अपनी जिम्मेदारी से बरी हुआ जाए। सरकार और चुनाव आयोग दोनों को इस बात का जवाब देना होगा कि आखिर मतदाता सूची में तथाकथित शुद्धिकरण की जरूरत अभी क्यों पड़ी है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 और राज्यों में मतदाता सूची का एसआईआर करवाया है, आज यानी 11 तारीख को एसआईआर के लिए फॉर्म भरने की आखिरी तारीख है। पहले यह मियाद 4 दिसंबर तक थी, लेकिन जब चुनाव आयोग को खुद यह समझ आया कि इतनी जल्दी करोड़ों मतदाताओं की सूची फिर से तैयार नहीं हो सकती तो तारीख आगे बढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष पहले ही इस जल्दबाजी पर सवाल उठा रहा था। एसआईआर का मामला अदालत में भी है, लेकिन चुनाव आयोग ने न बिहार चुनाव के वक्तविपक्ष की आपत्तियों और लोगों की तकलीफों पर ध्यान दिया न अब दे रहा है। इस बीच एसआईआर के काम में लगे कई बीएलओज की अकाल मौत या गंभीर रूप से बीमार होने की खबरें आ चुकी हैं। मगर चुनाव आयोग ने यह माना ही नहीं कि बीएलओज पर काम का या कुछ खास समुदायों के वोट काटने का दबाव है। एसआईआर से जुड़े ऐसे कई सवालों पर विपक्ष सदन में भी चर्चा चाहता था ताकि देश को इस बारे में सरकार का आधिकारिक नजरिया पता चले। पिछले मानसून सत्र में विपक्ष की इस मांग को सरकार ने टाल दिया था, लेकिन शीतकालीन सत्र में सरकार अपनी जिद पर टिक नहीं पाई। एसआईआर तो नहीं लेकिन चुनाव सुधार के नाम पर चर्चा के लिए सरकार राजी हुई। अब इसमें विपक्ष ने जो मुद्दे उठाए हैं, उनके बेतुके जवाब भाजपा दे रही है।गौरतलब है कि राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान न केवल एसआईआर की बात की, बल्कि भाजपा और संघ के लोकतंत्र से खिलवाड़ पर हमला भी किया। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद इनके श्प्रोजेक्टश का अगला हिस्सा भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने का था। राहुल ने दावा किया, श्आरएसएस ने एक-एक करके संस्थाओं पर कब्जा शुरू कर दिया। सब लोग जानते हैं कि विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति कैसे होती है। निर्वाचन आयोग, विश्वविद्यालयों, खुफिया एजेंसियों, जांच एजेंसियों और आयकर विभाग जैसी संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि देश 1.5 अरब लोगों का ताना-बाना है जो वोट के माध्यम से बुना हुआ है। अगर वोट का ही मतलब नहीं रह जाएगा तो लोकसभा, विधानसभा या पंचायत, किसी का कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की चयन प्रक्रिया से अब मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयु (नियुक्ति, सेवा-शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023श के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में अब प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।इस पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने दिसंबर 2023 में कानून बदल दिया ताकि अपनी मर्जी से नियुक्ति हो। किसी चुनाव आयुक्त को उसके फैसलों के लिए दंडित नहीं किया जा सके। राहुल ने पूछा कि आखिर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इसकी जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया।राहुल की तरह कुछ और विपक्षी सांसदों ने भी यही सवाल सदन में किया। जिसके जवाब में अब रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि हम सभी न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। लेकिन न्यायपालिका को हर चीà में शामिल करना क्या सही है? क्या ये च्सेपरेशन ऑफ पावरश के खिलाफ तो नहीं है? और क्या हम अपनी कमजोरी को तो नहीं दिखा रहे हैं? हम अपने से कुछ नहीं कर पाएंगे, जब तक सीजेआई नहीं आएंगे। ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।श उन्होंने बेतुकी बात कही कि भारत के प्रधानमंत्री के पास न्यूक्लियर बटन होता है कि नहीं? श्देश की जनता प्रधानमंत्री, देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और रणनीतियों में विश्वास करती है। भारत की चुनी हुई सरकार इतना कर सकती है लेकिन एक अच्छा चीफ इलेक्शन कमिश्नर नहीं चुन सकती। ये कौन-सी बात कही जा रही है?श इस जवाब से जाहिर हो रहा है कि भाजपा एक बार फिर मूल सवाल को भटका रही है। विपक्ष ने सीधा सवाल किया है कि जब पहले मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने में प्रधानमंत्री, विपक्ष का नेता और मुख्य न्यायाधीश शामिल रहते थे, तो अब प्रधानमंत्री के साथ एक केबिनेट मंत्री को शामिल क्यों किया गया है। इसका तो सीधा मतलब यही है कि विपक्ष के नेता की राय का मतलब ही नहीं रहेगा, क्योंकि तीन लोगों की कमेटी में दो लोग एक पक्ष के रहेंगे। यहां जनता सरकार पर कितना भरोसा करती है या नहीं करती है, यह सवाल आता ही नहीं है। लेकिन भाजपा जानबूझ कर बात को घुमा रही है। वैसे राहुल ने कहा है कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इस कानून में श्पूर्वव्यापी प्रभावश से संशोधन किया जाएगा तथा चुनाव आयुक्तों को कठघरे में लिया जाएगा।

यह हमें ही तय करना होगा कि हम कब और क्या खाते हैं

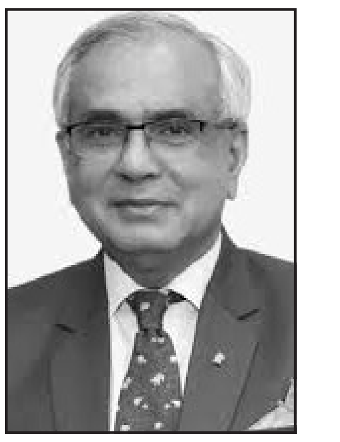

जब तक बाजार में प्राकृतिक उत्पादों की स्पष्ट मांग नहीं बनेगी, यह आंदोलन गति नहीं पकड़ पाएगा। देशभर में कई जमीनी स्तर के मॉडल उभर रहे हैं, जो भारी-भरकम सर्टिफिकेशन व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित काम कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सहज आहार नेटवर्क 9,000 किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ता है। छत्तीसगढ़ में भूमगाड़ी ऑर्गेनिक ने आदिवासी किसानों के लिए बाजार का रास्ता खोला है। कर्नाटक में ऑर्गेनिक मांड्या नाम की किसान-संचालित शृंखला ने 25 करोड़ के खुदरा कारोबार के साथ साबित किया है कि किसान भी व्यावसायिक रूप से सफल हो सकते हैं। इन समुदाय-आधारित पहलों का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब हम देखते हैं कि सरकारी प्रमाणन प्रणाली अक्सर बिचौलियों के हाथ में चली जाती है और भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाती है। ऐसे में भरोसा पारदर्शिता और प्रत्यक्ष जुड़ाव से ही बन सकता है। मसलन, सेफ हार्वेस्ट नामक पहल बिना किसी औपचारिक प्रमाणन के भी लेबोरेटरी में जांचे, कीटनाशक मुक्त उत्पादों को उचित दामों पर बेचती है और क्यूआर कोड के जरिए उपभोक्ता को पूरी जानकारी देती है। यह दिखाता है कि जमीनी स्तर से बना भरोसा ऊपर से थोपे सिस्टम से कहीं बेहतर है। दुनिया भर में कंज्यूमर सपोर्टेड एग्रीकल्चर मॉडल ने दिखाया है कि अगर उपभोक्ता और उत्पादक के बीच संबंध और विश्वास हो, तो कड़े नियम की जरूरत नहीं पड़ती। भारत में भी हफ्तावार किसान बाजार और सामुदायिक सदस्यता मॉडल इसी दिशा में बढ़ रहे हैं।

डॉ. राजीव कुमार

भारत में प्राकृतिक खेती की दिशा में अब तक जो भी प्रगति हुई है, वह ज्यादातर सप्लाई साइड पर केंद्रित रही है। यानी नीतियां बनी हैं, पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं, किसानों को प्रशिक्षण भी मिल रहा है। लेकिन अभियान की असली ताकत अभी अधूरी है, क्योंकि उपभोक्ताओं की मांग अब भी कमजोर है। जब तक बाजार में प्राकृतिक उत्पादों की स्पष्ट मांग नहीं बनेगी, यह आंदोलन गति नहीं पकड़ पाएगा। देशभर में कई जमीनी स्तर के मॉडल उभर रहे हैं, जो भारी-भरकम सर्टिफिकेशन व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित काम कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सहज आहार नेटवर्क 9,000 किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ता है। छत्तीसगढ़ में भूमगाड़ी ऑर्गेनिक ने आदिवासी किसानों के लिए बाजार का रास्ता खोला है। कर्नाटक में ऑर्गेनिक मांड्या नाम की किसान-संचालित शृंखला ने 25 करोड़ के खुदरा कारोबार के साथ साबित किया है कि किसान भी व्यावसायिक रूप से सफल हो सकते हैं। इन समुदाय-आधारित पहलों का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब हम देखते हैं कि सरकारी प्रमाणन प्रणाली अक्सर बिचौलियों के हाथ में चली जाती है और भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाती है। ऐसे में भरोसा पारदर्शिता और प्रत्यक्ष जुड़ाव से ही बन सकता है। मसलन, सेफ हार्वेस्ट नामक पहल बिना किसी औपचारिक प्रमाणन के भी लेबोरेटरी में जांचे, कीटनाशक मुक्त उत्पादों को उचित दामों पर बेचती है और क्यूआर कोड के जरिए उपभोक्ता को पूरी जानकारी देती है। यह दिखाता है कि जमीनी स्तर से बना भरोसा ऊपर से थोपे सिस्टम से कहीं बेहतर है। दुनिया भर में कंज्यूमर सपोर्टेड एग्रीकल्चर मॉडल ने दिखाया है कि अगर उपभोक्ता और उत्पादक के बीच संबंध और विश्वास हो, तो कड़े नियम की जरूरत नहीं पड़ती। भारत में भी हफ्तावार किसान बाजार और सामुदायिक सदस्यता मॉडल इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। ऐसे भरोसे पर आधारित तंत्र को फैलाना चाहिए, ना कि नौकरशाही से रेगुलेट करना चाहिए। भारत का उपभोक्ता भी बदलाव के लिए तैयार है। स्वास्थ्य और पर्यावरण को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। ऑर्गेनिक भोजन की खपत हर साल लगभग 25ः बढ़ रही है, हालांकि इसका आधार अभी भी छोटा है। नीलसन की 2021 की रिपोर्ट कहती है कि 72ः भारतीय उपभोक्ता रसायन-मुक्त भोजन के लिए अधिक दाम देने को तैयार हैं, लेकिन ये संवेदनशीलता कीमत के अनुपात में घटती है। लगभग 38ः लोग 20ः तक ज्यादा देने को तैयार हैं, लेकिन 2-3 गुना कीमत कोई नहीं देगा। इससे यह तो साफ है कि मध्यम स्तर की कीमतों पर उपभोक्ता तैयार हैं, बशर्ते उन्हें भरोसा हो कि जो वे खरीद रहे हैं वह असली है। हर नया उत्पाद पहले कुछ शुरूआती अपनाने वालों (अर्लीएडॉप्टर्स) से शुरू होता है- वे लोग जो सेहत के प्रति सजग होते हैं और सामाजिक-पर्यावरणीय मूल्यों से जुड़े रहते हैं। जब ये लोग उत्पाद अपनाते हैं, तो बाजार में संकेत जाता है, निवेश आता है और धीरे-धीरे उत्पाद आम लोगों तक भी सुलभ हो जाता है। प्राकृतिक खेती भी यही रास्ता अपना सकती है। उपभोक्ता की रुचि ऐसे उत्पादों में है, जो पारदर्शी, स्थानीय और विश्वसनीय हों- जिनकी कहानी समझ में आए और जिन पर भरोसा किया जा सके। निजी क्षेत्र में भी कई संस्थाएं इस दिशा में आगे आ रही हैं। फार्माइजन 8,000 किसानों को 35,000 ग्राहकों से जोड़ता है और खेत स्तर पर डेटा साझा करता है। 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ने 27,000 किसानों का ट्रेसेबल नेटवर्क बनाया है। बिग बास्केट और वी कूल जैसे प्लेटफॉर्म प्राकृतिक उत्पादों की शृंखला बेच रहे हैं। हमें नैतिक कृषि उद्यमियों को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इंदौर में जैविक सेतु इसका उदाहरण है- यह किसानों व उपभोक्ताओं को हफ्तावार हाट के माध्यम से जोड़ता है, रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देता है और एक कैफे भी चलाता है। जहां प्राकृतिक खाना परोसा जाता है। अब तक भारत की प्राकृतिक खेती की रणनीति किसानों पर केंद्रित रही है। लेकिन असली बदलाव उपभोक्ता से शुरू होता है। अगर बाजार पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदार खेती को पुरस्कृत करेगा, तो किसान भी पूरी ईमानदारी से उसका जवाब देंगे। जैसे मिलेट अभियान ने एक साधारण अनाज को सुपरफूड में बदल दिया, वैसे ही प्राकृतिक खेती को भी जमीन, स्वास्थ्य और आजीविका से जोड़कर पेश किया जा सकता है। यह कहानी सोशल मीडिया, स्कूल कैंपेन से या फार्म विजिट्स से कही जा सकती है।

प्राइवेसी और डेटा-अधिकारों पर मजबूत नीतियां अब जरूरी हैं

इनसे सुपरकंप्यूटर्स, क्लाउड, आईओटी, एआईध्एमएल, रोबोटिक्स, डेटा साइंस का समन्वय सामने आया, जो दुनिया को पहले के बजाय कहीं तेजी से बदल रहा है। वास्तव में इंटरनेट और मोबाइल क्रांति ने अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति और राजनीति- चारों को एक साथ झकझोर दिया है। आर्थिक स्तर पर बाजार की सीमाएं टूट गई हैं और पारंपरिक उत्पादन-भागीदारी की जगह डेटा-आधारित प्लेटफॉर्म हावी हो गए हैं। ऑटोमेशन और एआई ने लागत, निर्णय-प्रक्रिया और श्रम-संरचना को बदल दिया है। इनोवेशन आसान हो गया है। ग्लोबल-रीच बढ़ी है। लेकिन पूंजी के एक जगह इकट्ठे होने से विषमताएं भी तीव्र हुई हैं। डिजिटल-प्रभाव ने पारिवारिक और सामुदायिक ताने-बाने में दरारें डाली हैं। युवा वर्चुअल दुनिया में पहचान, मान्यता और संबंध गढ़ रहे हैं, जिससे परंपरागत सांस्कृतिक ढांचे कमजोर हो रहे हैं। राजनीतिक स्तर पर डिजिटल माध्यमों ने सूचना-वितरण और चुनावी अभियान को नई शक्ति दी है, पर साथ ही गलत सूचना, ध्रुवीकरण और बाहरी हस्तक्षेप को भी बढ़ावा दिया है। डेटा और एआई आधारित निगरानी ने शासन की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच नई खाई पैदा कर दी है, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब सूचना-नियंत्रण पर केंद्रित है। युवाओं के व्यवहार में भी स्पष्ट बदलाव आए हैं। तेज रिवॉर्ड-सिस्टम्स, तुरंत प्रतिक्रिया, अनगिनत विकल्पों ने धैर्य, दीर्घकालीन योजनाओं और सामुदायिक समर्थन के स्थान को चुनौती दी है। इस संदर्भ में चोकर गेम का उदाहरण महत्वपूर्ण है। युवा जोखिम, उत्तेजना और वायरल पहचान के लिए मूल सेफ्टी-नेट और परिवारध्समाज के परम्परागत मार्ग को छोड़ तात्कालिक वर्चुअल मान्यता की ओर रुख कर रहे हैं। वे पुराने मूल्यों जैसे परिश्रम, धैर्य, सहिष्णुता, सामूहिकता, सामाजिक संस्कार आदि को कम प्राथमिकता दे रहे हैं।

सुखवीर सिंह

पिछले दो हजार सालों में कृषि, लोहा, कागज, कम्पास, गनपाउडर, बिजली, प्रिंटिंग जैसी खोजें धीरे-धीरे सभ्यता के रूप को बदलती रही हैं। लेकिन अंतिम सौ सालों में परिवर्तन तेजी से हुआ और संचार, परिवहन, दवाई, ऊर्जा और सूचना तक पहुंच में अभूतपूर्व गति आई है। इनमें भी पिछले 25 वर्षों में जो हुआ, वह सूचना प्रौद्योगिकी के औद्योगीकरण, डेटा कलेक्शन और कंप्यूटेशनल ताकत के संयोजन का परिणाम है। इनसे सुपरकंप्यूटर्स, क्लाउड, आईओटी, एआईध्एमएल, रोबोटिक्स, डेटा साइंस का समन्वय सामने आया, जो दुनिया को पहले के बजाय कहीं तेजी से बदल रहा है। वास्तव में इंटरनेट और मोबाइल क्रांति ने अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति और राजनीति- चारों को एक साथ झकझोर दिया है। आर्थिक स्तर पर बाजार की सीमाएं टूट गई हैं और पारंपरिक उत्पादन-भागीदारी की जगह डेटा-आधारित प्लेटफॉर्म हावी हो गए हैं। ऑटोमेशन और एआई ने लागत, निर्णय-प्रक्रिया और श्रम-संरचना को बदल दिया है। इनोवेशन आसान हो गया है। ग्लोबल-रीच बढ़ी है। लेकिन पूंजी के एक जगह इकट्ठे होने से विषमताएं भी तीव्र हुई हैं। डिजिटल-प्रभाव ने पारिवारिक और सामुदायिक ताने-बाने में दरारें डाली हैं। युवा वर्चुअल दुनिया में पहचान, मान्यता और संबंध गढ़ रहे हैं, जिससे परंपरागत सांस्कृतिक ढांचे कमजोर हो रहे हैं। राजनीतिक स्तर पर डिजिटल माध्यमों ने सूचना-वितरण और चुनावी अभियान को नई शक्ति दी है, पर साथ ही गलत सूचना, ध्रुवीकरण और बाहरी हस्तक्षेप को भी बढ़ावा दिया है। डेटा और एआई आधारित निगरानी ने शासन की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच नई खाई पैदा कर दी है, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब सूचना-नियंत्रण पर केंद्रित है। युवाओं के व्यवहार में भी स्पष्ट बदलाव आए हैं। तेज रिवॉर्ड-सिस्टम्स, तुरंत प्रतिक्रिया, अनगिनत विकल्पों ने धैर्य, दीर्घकालीन योजनाओं और सामुदायिक समर्थन के स्थान को चुनौती दी है। इस संदर्भ में चोकर गेम का उदाहरण महत्वपूर्ण है। युवा जोखिम, उत्तेजना और वायरल

पहचान के लिए मूल सेफ्टी-नेट और परिवारध्समाज के परम्परागत मार्ग को छोड़ तात्कालिक वर्चुअल मान्यता की ओर रुख कर रहे हैं। वे पुराने मूल्यों जैसे परिश्रम, धैर्य, सहिष्णुता, सामूहिकता, सामाजिक संस्कार आदि को कम प्राथमिकता दे रहे हैं। सफलता का आकलन लाइक्स, फॉलोअर्स, व्यूज से हो रहा है। 2050-2060 के दशक तक यह परिवर्तन किसी साधारण तकनीकी उन्नति का रूप नहीं होगा- यह वह विस्फोट हो सकता है, जो आज की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक संरचनाओं की जड़ें हिला सकता है। परंपरा आधारित व्यवस्था, पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक मान्यताएं, भाषा का स्वाभाविक विकास, रिश्तों की नैतिक परिभाषाएं और श्रम-संस्कृति- सब धीरे-धीरे टूटकर नई, डिजिटल-केंद्रित संरचनाओं में पुनर्गठित होंगी। एआई-आधारित व्यक्तिगत मॉडलिंग एक जैसे पाठ्यक्रम और एक जैसे उपचार को अप्रासंगिक बना देगी। श्रम की पारंपरिक परिभाषाएं टूटेंगी और नौकरियों की स्थिरता, करियर-मार्ग और दीर्घकालीन भूमिका जैसी अवधारणाएं इतिहास बन जाएंगी। इतना ही नहीं, परिवार, विवाह और सामुदायिक बंधन की जगह वर्चुअल और ूमनॉइड सहभागिता का नया मिश्रित ढांचा उभर सकता है, जहां एल्गोरिदमिक संगति और डिजिटल निकटता रिश्तों की नई भाषा बन जाएगी। संस्कृति और भाषा का विखंडन इतनी तेज गति से होगा कि दशकों पुरानी परंपराएं कुछ ही वर्षों में अप्रचलित लगने लगेंगी। रीति-रिवाज, सामूहिक अनुष्ठान, सामाजिक संकेतक विलीन हो जाएंगे।

क्या विदेशी दौरे पर नशा करते हैं भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली। गुजरात के जामनगर उत्तर से भाजपा की विधायक और क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। एक उनका बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह भारतीय खिलाड़ियों को लेकर बड़ा दावा कर रही हैं। भारतीय टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा की जुबान फिसल गई और उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों पर विवादित बयान दे डाला। रिवाबा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रिवाबा भारतीय खिलाड़ियों पर आरोप लगाते हुए दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस हैरत में हैं। रिवाबा ने नहीं लिया किसी का नाम रिवाबा एक कार्यक्रम में भाषण दे रही थी इस दौरान उन्होंने रवींद्र जडेजा की सराहना की। जडेजा की तारीफ करते वक्त रिवाबा की जुबान फिसल गई और वह अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर विवादित बयान दे बैठीं।

आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड, दुबई में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई सम्मानित

अभिनेत्री आलिया भट्ट की गिनती मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अब आलिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। उन्हें गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जानिए इसे जीतने पर एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है। आलिया ने जताई खुशी गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है। गोल्डन ग्लोब की अध्यक्ष ने की आलिया की प्रशंसा इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है। अल्फा में नजर आएंगी आलिया वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आलिया आखिरी बार फिल्म जिगरा में नजर आई थीं।

दिलीप कुमार की 103वीं जयंती पर सायरा बानो का भावुक पोस्ट, कहा-हर साल जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में..

बॉलीवुड के लीजेंड्री एक्टर दिलीप कुमार का 7 जुलाई, 2021 को निधन हो गय था। उनके जाने से सिनेमा जगत को तो बड़ी क्षति हुई ही, वहीं उनके चाहने वालों ने भी अनमोल रत्न खो दिया। अगर आज एक्टर जिंदा होते तो अपना 103वां बर्थडे मनाते। 11 दिसंबर को आज दिवंगत एक्टर की बर्थ जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर एक बार फिर उनके चाहने वाले नम आंखों से उन्हें याद करते नजर आ रहे हैं। वहीं, सायरा बानो ने भी अपने दिवंगत पति दिलीप साहब को याद करते हुए एक लंबा सा पोस्ट शेयर किया है। सायरा बानो ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हर साल जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में एक अजीब हलचल उठती है। उन सभी पलों की याद जब मैंने आपको न केवल दुनिया के लिए एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक ऐसे बेहतरीन इंसान के रूप में देखा, जिन्हें मैं जानती हूं। लोग अक्सर आपको एक संस्था, एक असाधारण और बेजोड़ प्रतिभा कहते हैं और वे सही भी हैं। लेकिन मैंने आपके कुछ अनसुने करिश्मे भी देखे हैं। जिस तरह आप हर भूमिका के लिए उस समय, उस खामोशी में सांस लेकर तैयारी करते थे। जिस तरह आप हर किरदार में इस कदर घुल-मिल जाते थे कि यहां तक कि मैं, जो आपको सबसे अच्छी तरह जानती थी, मैं भी उस अभिनय के पीछे छिपे इंसान को खोजने लगती थी। आपका समर्पण हमेशा आपकी कला और आपके प्रशंसकों के लिए तोहफा है।अपनी इस पोस्ट में सायरा बानो ने दिलीप कुमार के साथ के कुछ पुराने वीडियोज भी शेयर किए हैं। इसमें से एक वीडियोमें सायरा बानो दिलीप कुमार के प्रति अपने प्यार का इजहार कर रही हैं। वो दिलीप साहब को सबसे खूबसूरत बताते हुए कहती हैं कि मेरी मोहब्बत हम दोनों के लिए काफी है। भले इन्हें मुझसे उतनी ही मोहब्बत हो न हो। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में दिलीप साहब और सायरा बानो अपने बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। बता दें, दिलीप कुमार और सायरा बानो ने 11 अक्टूबर 1966 को शादी रचाई थी। उस वक्त सायरा बानो सिर्फ 22 साल की थीं, जबकि दिलीप कुमार की उम्र 44 साल थी। एक्ट्रेस पूरे 20 साल एक्टर से छोटी थीं।

शोले की आग बुझी, महाभारत के कर्ण ने कहा अलविदा, इस साल ने छीने कई सितारे

साल 2025 का अंतिम महीना चल रहा है। मनोरंजन जगत के लिए यह साल यादगार के साथ दर्दभरा भी रहा। इस साल कई सितारों ने डेब्यू किया तो कई ने दुनिया को अलविदा कह दिया। यह लिस्ट काफी लंबी है। इसमें शोले के धर्मेंद्र तो सिंगर जुबिन गर्ग और शेफाली जरीवाला का भी नाम शामिल है। एक दौर था जब हीमैन धर्मेंद्र की एक्शन और मुस्कान के साथ डायलॉग डिलीवरी पर फैंस फिदा हो जाते थे। उनका जाना न सिर्फ इंडस्ट्री का नुकसान है, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की सांस्कृतिक विरासत का क्षय है। मनोज कुमार- साल के शुरूआती महीने में ही दुखद खबर मिली। 4 अप्रैल को भारत कुमार मनोज कुमार हमें अलविदा कह गए। 87 वर्षीय दिग्गज, जिन्होंने उपकार, पूरब और पश्चिम जैसी देशभक्ति फिल्मों से राष्ट्रप्रेम की मशाल जलाई, लंबी बीमारी से जूझते हुए मुंबई की कोकिलाबेन अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका जाना कुछ ऐसा है, जैसे 60-70 के दशक का एक अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया। मुकुल देवरू- मनोज कुमार के बाद मई का वह काला दिन आया, जब अभिनेता मुकुल देव के निधन की खबर फैल गई। 23 मई को मुकुल देव, मात्र 54 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद दुनिया छोड़ गए। श्कहानीश और स्पेशल 26 जैसी फिल्मों में अपनी दमदार मौजूदगी से याद आने वाले मुकुल, अभिनेता और खलनायक की भूमिका में जान फूंक देते थे। ेफाली जरीवाला- जिंदगी की पटकथा अनिश्चित होती है। फैंस को एक और झटका 28 जून को लगा, जब शेफाली जरीवाला, के निधन की खबर आई। कांटा लगा गर्ल कार्डियक अरेस्ट से 42 वर्ष की उम्र में दुनिया से चल बसीं। मुझसे शादी करोगी और सलमान खान के टीवी शो बिग बॉस से पहचान बनाने वाली शेफाली की मौत ने फैंस को स्तब्ध कर दिया था। अच्युत पोद्दार- अगस्त ने फिर से घाव दिए। 18 अगस्त को थ्री इडियट्स और लगे रहो मुन्नाभाई में यादगार भूमिका निभाने वाले एक्टर का निधन हो गया। उनकी सादगी भरी एक्टिंग दर्शकों को खासा पसंद आती थी। प्रेम सागर रू- अगस्त महीने के अंत में दुखद खबर फिर से सामने आई। 31 अगस्त को रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर, कैंसर से जूझते हुए 81 वर्ष की आयु में अलविदा कह गए। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों के निमार्ता के रूप में उनकी विरासत टीवी इतिहास का सुनहरा अध्याय है। जुबिन गर्ग- 19 सितंबर को असम, बंगाली और बॉलीवुड के लोकप्रिय सिंगर जुबिन गर्ग का निधन सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हो गया। 52 वर्षीय जुबिन की आवाज हमेशा के लिए बंद हो गई। पंकज धीर- 15 अक्टूबर को महाभारत के कर्ण पंकज धीर कैंसर से लड़ते हुए 68 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। महाभारत में कर्ण का किरदार निभाकर घर-घर लोकप्रिय हुए अभिनेता पंकज धीर को आवाज और दमदार अभिनय की वजह से काफी पसंद किया जाता था।असरानी और सुलक्षणा पंडित- 20 अक्टूबर को शोले के जेलर असरानी, 84 वर्ष की उम्र में चल बसे। वहीं, 70 के दशक की मशहूर गायिका-अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। सतीश शाह-साराभाई वर्सेज साराभाई के सतीश शाह ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। कई टीवी सीरियल्स के साथ ही फिल्मों में भी काम कर चुके सतीश शाह का निधन 25 अक्टूबर को हो गया था।

सारा अर्जुन ने आदित्य धर को बताया असली 'धुरंधर'

शेयर किया इमोशनल नोट; निर्देशक ने सीक्वल को लेकर बताई यह बात

'धुरंधर' की रिलीज को आज पूरे सात दिन हो चुके हैं। फिल्म का कलेक्शन आसमान छू रहा है। हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने निर्देशक आदित्य धर के लिए दिल छू लेने वाला नोट लिखा है।

फिल्म धुरंधर की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने आज अपनी फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सारा ने आदित्य को असली 'धुरंधर' बताया है। सारा का पोस्ट सारा अर्जुन ने आज इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा कि आदित्य ने उनकी पहली बड़ी हिंदी फिल्म में उनका पूरा साथ दिया और उन्हें सबसे अनमोल तोहफा दिया। सारा ने उन्हें 'सोने जैसा दिल और भरोसा करने का हिम्मती इंसान' बताया और कहा कि वे सचमुच 'धुरंधर' हैं। उन्होंने लिखा कि आदित्य बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन घमंड बिल्कुल नहीं करते और बहुत काबिल हैं और दिल के सच्चे और नेक इंसान हैं। सेट का माहौल सारा ने बताया कि आदित्य ने सेट पर इतना प्यारा और सुरक्षित माहौल बनाया कि वे बेझिझक बड़े-बड़े सपने देख सकीं। उन्होंने कभी आवाज नहीं चढ़ाई, हमेशा शांत रहकर सबको जोड़े रखा। सारा ने लिखा, 'आप तूफान से पहले की खामोशी नहीं, आप वो खामोशी हैं जिसने तूफान पैदा किया।' खुद को लकी मानती हैं सारा सारा ने यह भी बताया कि आदित्य ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं होने दिया। हमेशा ऐसा लगा जैसे वे पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने सारा को अपनी महत्वाकांक्षाओं को बड़ा करने और अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने की हिम्मत दी। सारा ने लिखा कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतने अच्छे इंसान का साथ और मार्गदर्शन मिला। यह पहली फिल्म उनके लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गई। आदित्य धर का जवाब सारा की पोस्ट पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए लिखा, 'वाह सारा, तुम्हारा यह मैसेज पढ़कर मैं बहुत इमोशनल हो गया। मुझ पर आंख बंद करके भरोसा करने और 'धुरंधर' को अपना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया। पार्ट-2 में दुनिया तुम्हारी असली प्रतिभा देखेगी, इसका बेसब्री से इंतजार है। तुममें इस इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बनने की पूरी काबिलियत है। बस याद रखना- हम यहां आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत छोड़ने आए हैं, इसलिए कभी समझौता मत करना।'

भय ट्रेलर वायरल-गौरव तिवारी की कहानी ने दर्शकों को किया दीवाना

अलमाइटी मोशन पिक्चर्स की आगामी पैरानॉर्मल थ्रिलर भय- ए गौरव तिवारी मिस्ट्री रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर रही है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े फिल्ममेकर और अभिनेता जैसे राम गोपाल वर्मा, आनंद एल राय, वरुण शर्मा, जरीन खान, हिमांशु मेहरा, हंसल मेहता, अशोक पंडित और कई अन्य ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को उत्साहपूर्ण तरीके से साझा किया है। सीरीज में करण टक्कर और कल्कि मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिनके साथ सलोनी बत्रा, डैनिश सूद, निमेश नायर, घनश्याम गर्ग और अन्य प्रतिभाशाली कलाकार कहानी में गहराई और प्रामाणिकता जोड़ते हैं। भारत के पहले पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर गौरव तिवारी के जीवन पर आधारित यह शो उनके क्रांतिकारी केसों, रहस्यमय अनुभवों और मात्र 31 वर्ष की आयु में हुई उनकी संदिग्ध मृत्यु के इर्द-गिर्द बुना गया है। निर्देशक रॉबी ग्रेवाल ने प्रोजेक्ट के बारे में अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहारू ्यह एक असाधारण यात्रा थी। मैं गौरव से एक बार मिला था और हम साथ में कुछ करने की योजना बना रहे थे। उनकी अचानक मौत ने एक खालीपन छोड़ दिया। जब प्रभलीन ने मुझे यह कहानी बताई, तो मैं कुछ क्षणों के लिए ठहर गया शायद किस्मत चाहती थी कि मैं ही उनकी कहानी दुनिया के सामने लाऊं। अलमाइटी मोशन पिक्चर की सह-संस्थापक और निमार्ता प्रभलीन संधू ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहारू ्इस शो को हर स्तर पर तैयार करना बेहद चुनौतीपूर्ण था। लेकिन निर्देशक रॉबी ग्रेवाल और अमेजन एमएक्स प्लेयर की बेहतरीन टीम कृ अमोघ दूदस, अरुणा दयानंजी, आनंद जैन की बदौलत यह सीरीज ईमानदार नीयत और साहसिक विजन के साथ बन पाई। ट्रेलर ने 24 घंटे के भीतर ही 1 करोड़ व्यूज पार कर लिए, जो दर्शकों के बीच जोरदार उत्सुकता और बेहतरीन ऑर्गेनिक रिस्पॉन्स का संकेत देता है।

पाकिस्तानी हीरोइन को पब्लिसिटी की भूख, रणवीर की 'धुरंधर' से जोड़ा अपना नाम; यूजर्स ने किया ट्रोल

पाकिस्तानी अभिनेत्री हीरा सोमरू रणवीर सिंह की धुरंधर के सहारे पब्लिसिटी पाने चली थीं। लेकिन उनका ये प्रयास उन्हें ही महंगा पड़ गया है, क्योंकि नेटिजेंस ने एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल कर दिया है। जानिए हीरा सोमरू ने ऐसी क्या हरकत की... रणवीर सिंह की हालिया रिलीज फिल्म धुरंधर को लेकर इस समय लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। लेकिन अब ऐसा लगता है कि धुरंधर की लोकप्रियता देखकर पाकिस्तानियों को मिर्ची लग रही है। तभी तो वहां के कलाकार भी एआई द्वारा तैयार की गई फर्जी तस्वीरें साझा करके, फिल्म को पाकिस्तानी विरोधी बता रहे हैं। साथ ही खुद भी लाइमलाइट पाना चाह रहे हैं। कुछ ऐसा ही पाकिस्तानी अभिनेत्री हीरा सोमरू ने भी किया है। हालांकि, इसके बाद अब वो जमकर ट्रोल हो रही हैं और भारतीय यूजर्स उनका मजाक उड़ा रहे हैं। हीरा सोमरू ने शेयर की एआई से तैयार की गई तस्वीरें पाकिस्तानी हीरोइन हीरा सोमरू ने अपने इंस्टाग्राम पर रणवीर सिंह के साथ कुछ एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में रणवीर सिंह धुरंधर के लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीरें रोमांटिक हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए हीरा सोमरू ने कैप्शन में लिखा, अब आलोचक कहेंगे कि ये तस्वीरें एआई द्वारा तैयार की गई हैं। असल में मुझे धुरंधर फिल्म में कास्ट किया गया था। लेकिन जैसी ही मुझे एहसास हुआ कि यह एक पाकिस्तानी विरोधी फिल्म है, मैंने इसे मना कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने खुद को प्राउड पाकिस्तानी भी बताया है। हीरा सोमरू ने धुरंधर और रणवीर सिंह का सहारा लेकर पब्लिसिटी पानी चाही। लेकिन उनकी इन तस्वीरों और कैप्शन को देखने के बाद वो लोगों के निशाने पर आ गई हैं। ऐसी पकड़ी गई पाकिस्तानी एक्ट्रेस की चोरी हीरा सोमरू ने एआई से ये तस्वीरें तैयार की हैं इसका जवाब खुद उनकी एक तस्वीर में मिलता है, जिसमें उनके कान के नीचे भी एक और कान दिखाई दे रहा है। यानी एक तरफ ही हीरा सोमरू के दो कान दिख रहे हैं। इस तस्वीर के चलते पाकिस्तानी अभिनेत्री की चोरी पकड़ी गई और भारतीयों ने उनके मजे लेने शुरू कर दिए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, बाजी दूसरी वाली फोटो में आपके कान के नीचे किसी और का कान रह गया है।

अंडर-19 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

मेलबर्न। आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स जैसे दो भारतीय मूल के खिलाड़ी अंडर-19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस वैश्विक टूनार्मेंट के लिए टीम का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने अगले साल की शुरूआत में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो भारतीय मूल के खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले इस वैश्विक टूनार्मेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए खेलेंगे। ओलिवर पीक की कप्तानी में उतरेगी टीम आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं, जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं।

ईयू की 2035 समय-सीमा अब अनिश्चित

नई दिल्ली। कई यूरोपीय ऑटोमोबाइल कंपनियां और उनके सप्लायर इस उम्मीद में कम्बशन इंजन वाली कारों को नई जिंदगी देने की तैयारी कर रहे हैं कि यूरोपियन यूनियन इस टेक्नोलॉजी पर लगाए जाने वाले अपने प्लान किए गए बैन को वापस ले लेगा। यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा 2035 से नए दहन इंजन वाहनों पर प्रस्तावित प्रतिबंध अब पहले जितना निर्णायक नहीं दिख रहा है। इसी आशंका के बीच यूरोप की कई ऑटो कंपनियां और उनके आपूर्तिकर्ता फिर से ऐसे वाहनों की दीर्घकालिक योजना पर काम शुरू कर रहे हैं, जो इलेक्ट्रिक नहीं बल्कि पारंपरिक इंजन का इस्तेमाल करेंगे। निमार्ता आपूर्तिकताओं से कह रहे हैं- ₹नॉन-ईवी मॉडल तैयार रखें उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कई पार्ट्स निमार्ताओं को वाहन कंपनियों से यह संकेत मिल रहे

हैं कि उन्हें 2035 के बाद भी यूरोपीय बाजार के लिए गैर-ईवी मॉडलों की आपूर्ति के लिए तैयार रहना चाहिए। क्योंकि वाहन निर्माण की योजनाएं कई वर्षों पहले बनाई जाती हैं और स्वच्छ तकनीकों की ओर संक्रमण में अरबों यूरो का निवेश शामिल होता है। इसलिए यह संभावित बदलाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मर्सिडीज-बेंज, स्टेलैंटिस और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां अभी से इस संभावना के लिए रणनीति बना रही हैं कि उनके दहन इंजन वाले वाहन 2035 के बाद भी बाजार में उपलब्ध रहेंगे। हालांकि यह चचाएं अभी प्रारंभिक स्तर पर हैं और ईयू के अंतिम नियमों के आधार पर इनमें बदलाव संभव है। 2035 तक केवल इएश्२ अपनाने के लिए लोग तैयार नहीं यूरोपीय सप्लायर एसोसिएशन उछएढअ के सेक्रेटरी जनरल बेनजामिन क्रिगर ने कहा कि कई कार निमार्ता स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि 2035 के बाद भी कुछ रूप में दहन इंजन, जैसे प्लग-इन हाइब्रिड या रेंज-एक्सटेंडर की आवश्यकता होगी। उनके अनुसार, ₹लोग अभी केवल बैटरी-इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। मर्सिडीज ने बयान जारी कर कहा कि कंपनी यूरोप में 2030 के दशक के अंत तक ₹ग्राहकों की मांग के अनुरूप, चाहे ऑल-इलेक्ट्रिक ड्राइव हो या इलेक्ट्रिफाइड दहन इंजन, दोनों विकल्प₹ उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। स्टेलैंटिस और बीएमडब्ल्यू ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया। चीनी प्रतिस्पर्धा से यूरोपीय उद्योग दबाव में ईवी की असमान गति से हो रही वृद्धि और इ ऊ (बीवाईडी) जैसी चीनी कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने यूरोपीय निमार्ताओं को अतिरिक्त क्षमता की समस्या से जूझने पर मजबूर कर दिया है। इस स्थिति में जर्मनी और फ्रांस जैसी सरकारें तथा उद्योग समूह ईयू के 2035 प्रतिबंध की समीक्षा की मांग कर रहे हैं। ईवी अपनाने की धीमी रफ्तार को देखते हुए समीक्षा प्रक्रिया 2026 से पहले ही शुरू कर दी गई है।

अवैध प्रवासियों को ले जा रही नाव क्रोएशिया की नदी में पलटी तीन की की मौत

जाब्रेग। दक्षिण पूर्व यूरोप का देश क्रोएशिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां पूर्वी क्रोएशिया में गुरुवार सुबह सावा नदी में एक नाव पलटने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हुए। यह हादसा सलावोंस्की ब्रॉड शहर में बॉस्निया की सीमा के पास हुआ। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अवैध प्रवासी घने धुंध में नदी पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी नाव पलट गई। इस हादसे को लेकर दमकलकर्मी इवान वुलेटा ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं को सुबह 5:30 बजे कॉल मिली और उन्होंने रेस्क्यू बोट से राहत कार्य शुरू किया। वहीं पुलिस ने बताया कि बोस्निया का एक शख्स लोगों की तस्करी के शक में हिरासत में है और अस्पताल में भर्ती है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो अभी घायलों और मृतकों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं हुआ है।

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन ने 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' विधेयक पारित किया है, जो 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने का प्रावधान करता है

और सैनिकों के वेतन व सुविधाओं में सुधार का प्रावधान भी करता है। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं। इस विधेयक में अधिकांश सैन्य कर्मियों के वेतन में 3.8 फीसदी की वृद्धि और सैन्य ठिकानों पर रहने और सुविधाओं में सुधार करने और राजनीतिक दलों के बीच समझाते का प्रावधान भी है। ट्रंप की नीति के अनुरूप इसमें जलवायु और विविधता से जुड़े प्रयासों को कम किया गया है। साथ ही, पेंटागन पर कांग्रेस की निगरानी बढ़ाई गई है और कई पुराने युद्ध प्राधिकरण रद्द किए गए हैं। इसके बावजूद कुछ सख्त रुख वाले दक्षिणपंथी नाराज हैं, क्योंकि उनका मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की विदेश में मौजूद प्रतिबद्धताओं को कम नहीं करता। सैन्य हथियारों की खरीद के तरीके में बदलाव सैन्य मामलों के पर्यवेक्षक का कहना है कि इस विधेयक में पेंटागन की हथियार खरीद प्रक्रिया में बदलाव होगा और इसमें तेजी लाने पर जोर दिया गया है, क्योंकि रक्षा उद्योग में पिछले कई वर्षों से देरी हो रही है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के लिए भी यह प्राथमिकता है। सांसद एडम स्मिथ ने कहा कि यह विधेयक अधिग्रहण सुधार के लिए सबसे अहम प्रयास है।

सड़कों पर उतरे दस लाख से ज्यादा कामगार

लिस्बन। पुर्तगाल में दो मुख्य कर्मचारी संघों की हड़ताल ने देशभर में हलचल मचा दी है। एक साथ दस लाख से ज्यादा कामगारों के सड़क पर उतरने की खबर से चारों तरफ हलचल मची हुई है। इस हड़ताल के कारण फ्लाइट और ट्रेन सेवाएं, सरकारी कामकाज बंद और स्कूल-कॉलेज की क्लासें रद्द होने की भी उम्मीद है। पुर्तगाल में गुरुवार को देश के दो मुख्य कर्मचारी संघों की हड़ताल ने देशभर में हलचल पैदा कर दी है। संभावना इस बात की तेज है कि इस हड़ताल के चलते देशभर में बड़े पैमाने पर फ्लाइट और ट्रेन सेवाओं में रुकावट आएंगी। साथ ही कई सरकारी सेवाओं का बंद रहना और मेडिकल अपॉइंटमेंट व स्कूल-कॉलेज की क्लासें रद्द होने की संभावना तेज है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो इस हड़ताल में करीब एक मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा कामगारों के शामिल होने की उम्मीद है। यह देश में पिछले 10 वर्षों में सबसे बड़ी हड़ताल मानी जा रही है। हड़ताल के मुख्य कारण दक्षिण सरकार की रोजगार कानूनों में बदलाव की योजना है। मामले में कर्मचारी संघों का आरोप है कि सरकार के प्रस्तावित बदलाव कामगारों के

हक और सुविधाओं को कम कर देंगे। वहीं बात अगर सरकार के पक्ष की करें तो सरकार का कहना है कि ये बदलाव अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और विकास को बढ़ावा देने के लिए जरूरी हैं। हड़ताल और प्रदर्शन संघों ने गुरुवार को सड़कों पर मार्च और प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। यह 2013 के बाद पहली बार है जब जनरल वर्कर्स यूनियन और जनरल कॉन्फेडरेशन ऑफ पुर्तगाली वर्कर्स ने मिलकर यह हड़ताल की है।हालांकि सामाजिक डेमोक्रेट प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने हड़ताल को बेवकूफी भरा बताया और कहा कि देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। सरकार के प्रस्तावित बदलावों में क्या-क्या? बता दें कि सरकार के प्रस्तावित बदलावों में कंपनियों के लिए कर्मचारियों को निकालना आसान करना। कुछ क्षेत्रों में हड़ताल करने का अधिकार कम करना और माताओं के लिए स्तनपान ब्रेक को पहले दो साल तक सीमित करना, जबकि अब यह खुला रहता है। अब समझिए कैसी है पुर्तगाल की स्थिति? गौरतलब है कि पुर्तगाल यूरोपीय संघ (ईयू) की सबसे छोटी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यहां की औसत मासिक वेतन लगभग 1,600 यूरो (लगभग 169000 रुपया) है। वहीं न्यूनतम मासिक वेतन 870 यूरो (लगभग 92,000 रुपया) है। गौर करने वाली बात है कि देश में आवास और महंगाई संकट भी जारी है, क्योंकि संपत्ति की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इसके साथ ही बेरोजगारी लगभग छह प्रतिशत है, जो ईयू के औसत के बराबर है। ऐसे में यूरोपीय आयोग ने उम्मीद जताई है कि इस साल पुर्तगाल की जीडीपी वृद्धि लगभग दो प्रतिशत होगी, जो ईयू के औसत 1.4 प्रतिशत से ज्यादा है।

भारत को छोड़ पाकिस्तान के साथ जाने को बेताब बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से ही मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रही है। दोनों देशों के बीच रक्षा से लेकर व्यापार तक के क्षेत्र में कई समझौते हुए हैं। अब चीन के नेतृत्व में पाकिस्तान दक्षिण एशिया में एक गठबंधन तैयार करने पर जोर दे रहा है, जिसमें भारत शामिल न हो। अब बांग्लादेश ने ऐसे गठबंधन में दिलचस्पी दिखाई है। बांग्लादेश में पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से ही स्थितियां गंभीर बनी हुई हैं। खासकर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में बांग्लादेश लगातार कट्टरपंथ की तरफ बढ़ा है। आलम यह है कि उसकी विदेश नीति भी भारत से दूर होकर पाकिस्तान पर केंद्रित होती दिख रही है। इसका एक उदाहरण बुधवार को मिला, जब बांग्लादेश के मौजूदा विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि यह कूटनीतिक तौर पर संभव है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान के उस क्षेत्रीय गठबंधन में शामिल हो जाए, जिसमें भारत शामिल नहीं है। बांग्लादेश की न्यूज एजेंसी संवाद संस्था (बीएसएस) की रिपोर्ट के मुताबिक, तौहीद ने कहा कि इस तरह के कूटनीतिक समूह में नेपाल और भूटान का शामिल होना शायद संभव न हो। उन्होंने कहा, ₹यह हमारे लिए (बांग्लादेश के लिए) कूटनीतिक तौर पर संभव है, लेकिन नेपाल और भूटान का पाकिस्तान के साथ किसी समूह में शामिल होना, वह भी जिसमें भारत न हो, के साथ जुड़ना मुमकिन नहीं है। तौहीद ने कहा कि इशाक डार ने कुछ कहा है और किसी मौके पर इसमें प्रगति भी हो सकती है। हालांकि, उन्होंने मामले पर आगे टिप्पणी से इनकार कर दिया और कहा कि उन्हें ऐसे गठबंधन के बारे में मीडिया से ही जानकारी मिली है। क्या है पाकिस्तान की तैयारी, जिस पर भारत की करीब से नजर? पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने हाल ही में दावा किया था कि बांग्लादेश-चीन और पाकिस्तान का त्रिपक्षीय गठबंधन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है और इसे बाकी क्षेत्रीय और क्षेत्र के बाहर की ताकतों को शामिल कर के बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि अगस्त 2024 में शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही इस देश का रुख पाकिस्तान की तरफ नरम हुआ है। बांग्लादेश ने उसी देश के साथ अपने रिश्तों को गहरा करना शुरू कर दिया है, जिसकी सत्ता ने कभी पूर्वी पाकिस्तान में बांग्ला भाषियों पर जुल्म ढाए थे। यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रक्षा, व्यापार, कूटनीतिक और ढाचांगत मामलों से जुड़ी चचाएं और समझौते हुए हैं। चीन कैसे बन रहा दक्षिण एशिया में भारत-विरोधी गठबंधन का सरपरस्त? गौरतलब है कि दक्षिण एशिया में भारत के बिना अलग-अलग देशों के गठबंधन की चचाओं को चीन ने ही जोर-शोर से बढ़ाया। इस एवज में चीन ने इस साल जून में एक त्रिपक्षीय बैठक भी रखी थी, जिसमें चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के सचिव स्तर के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। इस बैठक को चीन के कुनमिंग में रखा गया था। इसी दौरान ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान और चीन साथ में एक नया क्षेत्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जो कि सार्क (साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपेशन) का विकल्प बन सकता है। चूंकि सार्क में भारत सबसे प्रमुख ताकत वाला देश है, इसलिए पाकिस्तान की आवाज इस संगठन में कमजोर पड़ जाती है। सार्क बीते कुछ वर्षों में पूरी तरह से निष्क्रिय है। 2016 में पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से अंजाम दिए गए उड़ी हमले के बाद से ही इस संगठन की प्रमुख बैठकें नहीं हुई हैं। इसी मौके का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने चीन की मदद से दक्षिण एशिया में भारत के बिना एक गठबंधन बनाने की कोशिशें शुरू कर दीं। चूंकि बांग्लादेश में भी भारत का समर्थन करने वाली शेख हसीना को सत्ता से हटा दिया गया, ऐसे में पाकिस्तान को यूनुस सरकार को अपने साथ लाने में सफलता मिली।

11 माह बाद सामने आईं मारिया मचाडो, क्यों देश छोड़ने पर हुई मजबूर

ओस्लो। वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरीना मचाडो 11 महीने बाद ओस्लो में सार्वजनिक तौर पर दिखीं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। जनवरी 2024 में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत और बढ़ते खतरे के कारण वह छिपकर रह रही थीं। समर्थकों ने 'फ्रीडम' के नारे लगाए। वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो करीब 11 महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक होटल की बालकनी पर नजर आईं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। मचाडो होटल की बालकनी पर समर्थकों को हाथ हिलाकर अभिवादन करती दिखीं। इस दौरान बाहर लोग 'फ्रीडम, फ्रीडम' और 'धन्यवाद' के नारे लगा रहे थे। बाद में वह होटल से बाहर आकर समर्थकों से मिलीं, जहां उनके साथ परिवार और उनके करीबी सहयोगी भी थे। क्यों छिपी हुई थी मचाडो? बता दें कि जनवरी 2024 में कराकास में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उनकी सुरक्षा को खतरा होने के कारण वे छिपकर रह रही थीं। उनकी उम्मीद थी कि वे खुद पुरस्कार लेने पहुंच पाएंगी, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने एक फोन कॉल में कहा कि कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी यात्रा को संभव बनाने की कोशिश की। उनकी बेटी एना कोरीना सोसा ने पुरस्कार लेते हुए कहा कि मेरी मां एक आजाद वेनेजुएला में जीना चाहती हैं और कभी हार नहीं मानेंगी। माचाडो ने बनाई थी ये योजना माचाडो ने पिछले साल मादुरो को चुनौती देने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से रोका गया। इसके कारण उन्होंने सेवानिवृत्त कूटनीतिज्ञ एडमंडो गोंजालेज का समर्थन किया। चुनाव से पहले और बाद में कई लोगों ने माचाडो का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देश छोड़कर निर्वासन नहीं लिया। वेनेजुएला के लोगों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं वहीं माचाडो के विदेश जाने को लेकर वेनेजुएला में लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कैराकस की एक कर्मचारी जोसफिना पाज ने कहा कि अगर उन्होंने देश छोड़ा है, तो ठीक है। इस महिला ने लोकतंत्र के लिए कई बलिदान दिए हैं। अब उन्हें अपने परिवार और बच्चों के पास जाना चाहिए और विदेश से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं, दुकानदार जोसे हटाडो ने उन्हें देशद्रोही कहा, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेनेजुएला नीति का समर्थन करती हैं। नोबेल समिति ने क्या कहा? वहीं नोबेल समिति के प्रमुख ने कहा कि मचाडो ने बहुत खतरनाक हालात के बावजूद ओस्लो आने की पूरी कोशिश की और वे सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट और दमन का सामना कर रहा है। मचाडो ने पिछले साल विपक्षी प्राइमरी जीती थी और राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन मादुरो सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह विपक्ष ने एडमुडो गोंजालेज को उतारा, जिन्हें बाद में गिरफ्तारी वारंट के कारण स्पेन में शरण लेनी पड़ी। चुनाव से पहले और बाद में दमन, गिरफ्तारियों और मानवाधिकार उल्लंघनों की कई शिकायतें हुईं।

राष्ट्रपति यून को बचाने के लिए रची थी साजिश

सियोल। वकील चो यून-सुक की जांच टीम का दावा है कि पूर्व कार्यवाहक नेता चोई सांग-मोक ने अपने कर्तव्य में लापरवाही बरती थी। उन्होंने कहा कि उनके एक कदम ने

राष्ट्रपति यून को पद से हटाने की संभावना को कमजोर कर दिया था। दक्षिण कोरिया के पूर्व कार्यवाहक नेता चोई सांग-मोक पर गुरुवार को तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक येओल की ओर से दिसंबर 2024 में थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू करने से संबंधित आरोपों में अभियोग लगाया गया। सांग-मोक इस मामले में कानूनी मुश्किलों में फंसने वाले सबसे नए हाई-प्रोफाइल शख्स बन गए हैं। चोई उन तीन शीर्ष यून प्रशासन के अधिकारियों में से एक हैं जिन्होंने यून के महाभियोग और पद से हटाए जाने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। यह महाभियोग मार्शल लॉ की घोषणा के कारण लगाया गया था, जिसने दक्षिण कोरिया को बड़े पैमाने पर राजनीतिक उथल-पुथल में डाल दिया था। पूर्व राष्ट्रपति यून काट रहे हैं जेल यून फिलहाल जेल में हैं और उन पर विद्रोह के आरोपों में एक बहुचर्चित आपराधिक मुकदमा चल रहा है। यून प्रशासन के दर्जनों उच्च-स्तरीय अधिकारियों और सैन्य कमांडरों को भी यून के मार्शल लॉ की विफलता और अन्य आरोपों में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है, उन पर आरोप लगाए गए हैं या उनसे पूछताछ की जा रही है। वकील ने किया साजिश का खुलासा वकील चो यून-सुक के नेतृत्व वाली एक जांच टीम ने गुरुवार को चोई पर नौ सदस्यीय संवैधानिक अदालत में तीन खाली सीटों को पूरी तरह से बहाल न करने के लिए कर्तव्य की उपेक्षा का आरोप लगाया, जो इस बात पर विचार कर रहा था कि यून को पद से हटाया जाए या नहीं। चोई के इस कदम से बचे रहे यून अदालत को पूरी क्षमता के साथ बहाल करना एक ऐसा कदम माना जा रहा था जिससे यून को पद से हटाने की संभावना बढ़ सकती थी, क्योंकि उन्हें बर्खास्त करने के लिए अदालत के फैसले को कम से कम छह न्यायाधीशों के समर्थन की आवश्यकता थी। चोई, जो यून के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री थे, ने दो नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की, लेकिन नौवें न्यायाधीश का पद खाली छोड़ दिया, जिसका कारण उन्होंने अंतरिम राष्ट्रपति बनने पर द्विदलीय सहमति का अभाव बताया। कर्तव्य में लापरवाही के लगे आरोप अप्रैल में अदालत के आठ न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से यून को पद से हटाने का फैसला सुनाया। सहायक विशेष अभियोजक पार्क जी-यंग ने एक ब्रीफिंग में बताया कि चो की टीम ने एक अन्य कार्यवाहक नेता हान डक-सू पर भी कर्तव्य में लापरवाही का यही आरोप लगाया है।

बांग्लादेश में पहले आम चुनाव की तारीख का एलान

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को आम चुनाव कराएगा। पिछले साल छात्र आंदोलन से शेख हसीना के हटने के बाद इस दक्षिण एशियाई देश पहला चुनाव होगा। हसीना की पार्टी अवामी लीग देश की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन इसे चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने गुरुवार को आम चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना के हटाने के बाद के बाद देश में यह पहला चुनाव हो रहा है। बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने गुरुवार को एलान किया कि बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को 13वां संसदीय चुनाव होगा। यह अगस्त 2024 में हिंसक छात्र विरोध प्रदर्शन में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद पहला चुनाव होगा। विद्रोह के बाद बांग्लादेश का पहला आम चुनाव बांग्लादेश फरवरी में आम चुनाव कराएगा। यह 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन से शेख हसीना के हटने के बाद इस दक्षिण एशियाई देश पहला चुनाव होगा। हसीना की पार्टी अवामी लीग देश की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन इसे चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। अब 17.3 करोड़ की आबादी वाला यह मुस्लिम-बहुल देश पूरी तरह बदले हुए राजनीतिक माहौल में मतदान करने जा रहा है। यहां इस पड़ोसी देश के सियासी माहौल पर एक नजर डालते हैं। बीएनपी सबसे प्रभावी राजनीतिक दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) इस चुनावी माहौल में सबसे आगे है। यह दल पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी चुनाव की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। अमेरिकी इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट के दिसंबर सर्वे ने अनुमान लगाया कि बीएनपी सबसे ज्यादा सीटें जीत सकती है। 1978 में जिया के दिवंगत पति और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की बनाई बीएनपी, बांग्लादेशी राष्ट्रवाद, आर्थिक उदारीकरण और भ्रष्टाचार-विरोधी सुधारों का समर्थन करती है। खालिदा जिया की खराब सेहत और उनके बेटे व कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की गैरमौजूदगी इस पार्टी की चुनौतियां हैं। रहमान निर्वासन में लंदन में हैं। हालांकि, उन्होंने चुनाव से पहले लौटने का वादा किया है। जमात-ए-इस्लामी दोबारा बढ़ता प्रभाव हसीना सरकार की प्रतिबंधित इस्लामवादी पार्टी जमात-ए-इस्लामी छात्रों के विद्रोह के बाद फिर सक्रिय हो गई है। इसके चुनावों में दूसरे स्थान पर रहने की उम्मीद है। शफीकुर रहमान के नेतृत्व में जमात शरीयत आधारित शासन इस्लामी शासन की वकालत करती है, लेकिन यह अब अपने रूढ़िवादी वोटर आधार से परे अपना समर्थन बढ़ाना चाहती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।

E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।